संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 317
पृष्ठ 8
गुरूवार
06 अगस्त 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नहीं रहा जाता चॉकलेट के बिना...

विचार- ट्रम्प का गाजा निशस्त्रीकरण का...

खेल- गावस्कर ने द्रविड़ से की अजिंक्य...

पीएम मोदी का भाजपा सांसदों को जनरेशन जेड मंत्र

युवाओं की सुनो, समझो और संसद में बिताओ समय

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नए चुने गए भाजपा के राज्यसभा सांसदों और हाल ही में पार्टी में शामिल हुए नेताओं के साथ अपने आवास पर नाश्ते पर बैठक की। इस दौरान उन्होंने सांसदों को कई मुद्दों पर मार्गदर्शन दिया। प्रधानमंत्री ने उन्हें युवाओं से बेहतर तरीके से जुड़ने के तरीके भी बताए। प्रधानमंत्री आवास पर हुई इस बैठक में 37 सांसद शामिल हुए। इनमें आम आदमी पार्टी (आप) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) जैसे दलों को छोड़कर हाल ही में भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद भी मौजूद थे। बैठक के बाद राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने कहा, यह अनुभव बहुत शानदार रहा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने अपने कई दशकों के सार्वजनिक जीवन के अनुभव के आधार पर सांसदों को अहम सलाह दी।

साहनी ने कहा, प्रधानमंत्री ने आज सुबह नए चुने गए राज्यसभा सांसदों और हाल ही में भाजपा में शामिल हुए सांसदों को नाश्ते पर बुलाया था। यह बहुत शानदार अनुभव रहा। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन और अनुभव के आधार पर हमें बताया कि संसद को कितनी गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि संसद सुचारु रूप से चलनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री ने सांसदों को हर दिन कम से कम एक या दो घंटे संसद की लाइब्रेरी में बिताने की सलाह दी। साथ ही अपने-अपने क्षेत्रों में सांसद खेल योजना को सक्रिय रूप से लागू करने और युवाओं से जुड़ने के लिए भी कहा।

भाजपा के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल ने युवाओं से जुड़ने को लेकर प्रधानमंत्री की खास सलाह साझा की। मित्तल ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री से पूछा कि युवाओं से कैसे जुड़ा जाए। प्रधानमंत्री ने कहा, उनकी बात ध्यान से सुनिए, उन्हें समझिए और उनसे विनम्रता से बात कीजिए। यह बहुत अच्छी बैठक थी, जहां हमें व्यक्तिगत, सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर मार्गदर्शन लेने का मौका मिला।

भाजपा सांसद राहुल सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बैठक में मौजूद हर सांसद की बात ध्यान से सुनी। सिन्हा ने कहा, हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे प्रधानमंत्री ने हम सभी की बात सुनी और जरूरी मार्गदर्शन दिया। हाल ही में आप और टीएमसी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए और फिलहाल राज्यसभा सांसद बने नेता भी आज प्रधानमंत्री मोदी से मिले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को संसद के मानसून सत्र के दौरान सांसदों से लगातार हो रही बैठकों के तहत अपने आवास पर भाजपा के 37 सांसदों के साथ नाश्ते पर बैठक की। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने सांसदों के साथ अपने निजी अनुभव साझा किए और अनौपचारिक बातचीत भी की।

सुप्रीम कोर्ट का पुलिस को सख्त निर्देश

स्टूडेंट प्रोटेस्टर्स में संयम बरतें, हिंसक प्रतिक्रिया से बिगड़ेंगे हालात

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि स्टूडेंट प्रोटेस्टर्स से निपटने के दौरान कानून लागू करने वाली एजेंसियों को संयम बरतना चाहिए, क्योंकि अधिकारियों की ओर से कोई भी हिंसक प्रतिक्रिया स्थिति को और खराब कर देगी। ये मौखिक टिप्पणियां उस याचिका पर सुनवाई के दौरान की गईं, जिसमें दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों में स्टूडेंट प्रोटेस्ट के दौरान हुई हालिया हिंसा जिसमें पत्थरबाजी की घटनाएं भी शामिल हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (ब्श्रप्) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले को दिल्ली और अन्य राज्यों में छात्र विरोध ा-प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा से जुड़ी अन्य लंबित याचिकाओं के साथ जोड़ दिया और कहा कि सभी मुद्दों पर एक साथ

सुनवाई होगी। सुरक्षा कर्मियों से संयम बरतने की जरूरत पर जोर देते हुए ब्श्रप् ने कहा कि लोकतंत्र में ऐसे शांतिपूर्ण मार्च के दौरान सुरक्षा बलों को भी संयम बरतना चाहिए। अधिकारियों को बहुत सावधानी से काम लेना चाहिए ताकि युवा हिंसा न करें। हिंसक प्रतिक्रिया से स्थिति और बिगड़ सकती है। सबसे बड़ी ताकत है बात सुनना। यह सुनना कि वे क्या कह रहे हैं और क्यों विरोध कर रहे हैं। कोर्ट ने एक खतरनाक मिसाल कायम होने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि युवाओं की बात सुनी जानी चाहिए और हालात को सावधानी से संभाला जाना चाहिए ताकि और हिंसा न हो। बेंच ने कहा हिंसक प्रतिक्रिया से हालात और बिगड़ेंगे। सबसे बड़ी ताकत बात सुनना हैकृयह समझना कि वे क्या कह रहे हैं और क्यों विरोध कर रहे हैं। ये युवा हैं।

एमके स्टालिन ने टीवीके बजट को बताया 'बेकार'

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और DMK अध्यक्ष एमके स्टालिन ने बुधवार को TVK की अगुवाई वाली रील सरकार के पहले बजट को बेकार बताया। उन्होंने कहा कि इसमें कोई नई सोच नहीं थी और यह पूरी तरह से फीका था। उन्होंने कहा कि जिस बजट से कुछ लोगों को बहुत शानदार होने की उम्मीद थी, वह पूरी तरह बेकार साबित हुआ। स्टालिन ने ग पर लिखा कि इतना ही नहीं, यह द्रविड़ियन मॉडल सरकार की योजनाओं का रीमेक वर्शन बजट है। उन्होंने आगे कहा, रील सरकार का पहला बजट पूरी तरह से निराशाजनक रहा है – इसमें कोई नई सोच नहीं है, यह वादे पूरे करने में नाकाम रहा है और पूरी तरह से फीका है। DMK अध्यक्ष ने कहा कि आज तमिलनाडु विधानसभा में राज्य सरकार द्वारा पेश किया गया बजट किसानों से जुड़े मुद्दों और बढ़ती महंगाई की समस्याओं को हल करने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा कि आम लोगों की भाषा में कहें तो, यह बजट किसानों की समस्याओं, बिजली की दरों में विसंगतियों या बढ़ती महंगाई जैसे मुद्दों पर कोई ध्यान नहीं देता है और राज्य के लिए जरूरी कोई भी नई दूरदर्शी योजना पेश करने में नाकाम रहा है। स्टालिन ने कहा कि यह बजट 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले किए गए वादों को पूरा करने में नाकाम रहा हैय इन वादों में महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए भत्ता और राज्य के किसानों के फसल ऋण की पूरी माफी शामिल थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐसा बजट है जिसमें महिलाओं के लिए 2,500 रुपये का मासिक भत्ता, बेरोजगार युवाओं के लिए 4,000 रुपये, सालाना छह मुफ्त स्च्ळ सिलेंडर और फसल ऋण की पूरी माफी जैसे अहम वादों का जिक्र तक नहीं है। इससे पहले दिन में, तमिलनाडु में विपक्ष के नेता (LoP) उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि बजट में चुनावी वादों को पूरा करने के लिए कोई योजना पेश नहीं की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने लैपटॉप योजना जैसी मौजूदा योजनाओं पर बस अपनी पार्टी का नाम चिपका दिया है। उन्होंने आगे कहा कि बुधवार को ज्टज्ञ सरकार द्वारा पेश किए गए बजट में इनके कार्यान्वयन के संबंध में कोई रोडमैप या घोषणा नहीं है।

हर शिकायत का होगा तय समय में समाधान : सीएम गुप्ता

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 5 अगस्त को जन सेवा सदन में एक जन सुनवाई की और शहर भर के नागरिकों की शिकायतें सुनीं। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी मामलों को जल्द से जल्द सुलझाने को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जन-सुनवाई न केवल शिकायतों के समाधान का एक मंच है, बल्कि यह जनता का भरोसा मजबूत करने और सुशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने का भी एक माध्यम है। इस सुनवाई में जन-कल्याण से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें पेंशन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आयुष्मान भारत योजना, संपत्ति से जुड़े मामले और नियमितीकरण शामिल थे। हर मामले की बारीकी से समीक्षा करने के बाद, रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे तेजी से कार्रवाई करें, तय समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित करें और यह पक्का करें कि हर पात्र व्यक्ति को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले।

विपक्ष पर भड़के सीएम योगी, बोले-

ये लोग लोकतंत्र विरोधी हैं, इनका आचरण शर्मनाक

लखनऊ,संवाददाता। यूपी विधानमंडल का मानसून सत्र बुधवार को भी हंगामे की भेंट चढ़ गया। बुधवार को सदन की कार्यवाही दोपहर करीब डेढ़ बजे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इस पर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाराजगी जताई और कहा कि सदन में विपक्ष का आचरण शर्मनाक है। ये लोग लोकतंत्र विरोधी हैं और यही इनका असली चेहरा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र को हंगामे के हवाले करना प्रदेश के युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों के साथ भारी अन्याय है। इनके लिए कुछ नई योजना घोषित हो सकें। गरीबों के कल्याण के लिए कुछ नए कार्यक्रम शुरू हो सकें। इसके लिए हम 59 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुपूरक बजट लेकर आये थे लेकिन समाजवादी पार्टी के नकारात्मक रवैये के कारण युवाओं, किसानों, महिलाओं के स्वावलंबन के मुद्दे पर सदन में

चर्चा नहीं हो सकी। इन लोगों का आचरण युवा, किसान, महिला और गरीब विरोधी है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमने प्रदेश में उस तबके लिए जो प्रदेश के विकास में लग कर काम कर रहा था आंगनबाड़ी, रसोइया, ग्राम चौकीदार के साथ हर तबके को छूने का प्रयास किया जिनके मानदेय बढ़ने हैं। महिला पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन इन सब पर चर्चा होनी थी लेकिन समाजवादी पार्टी का नकारात्मक रवैया इसमें बाधा बना। इन सबके बावजूद विधानसभा ने सप्लीमेंट्री बजट पारित हो गया साथ ही बहुत शीघ्र इन सभी तबकों के लिए कार्य होगा। इसके पहले मंगलवार को भी सदन में हंगामे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए बयान दिया था कि राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण की एसआईटी जांच में साधु संतों की संलिप्तता नहीं मिली है।

फिर भी विपक्ष तथ्यों को तोड़-मरोड़कर सनातन, अयोध्या और मंदिर को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। कार्यवाही स्थगित होने के बाद सदन से बाहर आए सीएम ने पत्रकारों से कहा कि जिन लोगों ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई, भगवान श्रीराम व श्रीकृष्ण के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े किए। वे आज अयोध्या और आस्था की बात कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा था कि साधु-संतों पर आक्षेप करना, अयोध्या धाम को अपमानित व बदनाम करना, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को बदनाम करना आश्चर्यजनक है। सीएम ने कहा एसआईटी की रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज हुई और आठ लोग पकड़े गए, जिनमें 6 लोग चढ़ावे से जुड़ी हुई धनराशि इधर-उधर करते हुए पाए गए। अब तक 8 लोगों की गिरफ्तारी हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सदन में अध्यक्ष पीठ की अवमानना हुई है। प्लेकार्ड लहराकर कार्यवाही बाधित करने की कोशिश की गई।

राहत और पुनर्वास में नहीं होगी कोई कमी-जेपी नड्डा

शिवसागर,संवाददाता। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को असम के शिवसागर जिले में बाढ़ से प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उनके साथ मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी थे। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए हर संभव मदद देगी। नड्डा ने बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित बिहुबोर नेपाली खुटी इलाके का दौरा किया, प्रभावित परिवारों से बातचीत की और हाल की बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया। केंद्रीय मंत्री ने राहत कार्यों और राज्य प्रशासन की ओर से किए जा रहे पुनर्वास के उपायों की भी समीक्षा की। बाढ़ प्रभावित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा श्भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से, मैं हिमंत बिस्वा सरमा और आप सभी को भरोसा दिलाता हूं कि राहत कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। राज्य को पूरी आर्थिक मदद दी जा रही है। केंद्र की टीमें यहां हुए नुकसान का जायजा ले रही हैं। हम पुनर्वास के कामों में पूरी तरह जुटे हुए हैं। आगे उन्होंने कहा,श्मुझे मुख्यमंत्री के साथ शिवसागर जाने का मौका मिला। मैंने नुकसान का दायरा देखा है। पूरे के पूरे गांव प्रभावित हुए हैं। लोगों के घर उजड़ गए हैं। इसके साथ ही फसलें और संपत्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। हमने लोगों को हो रही दिक्कतों पर चर्चा की।

राहत का काम जारी है। यह प्रभावित इलाकों तक पहुंचा है। भारत सरकार की ओर से मदद में कोई कमी नहीं होगी। चाहे आर्थिक मदद हो, नुकसान का मुआवजा हो या पुनर्वास, केंद्र असम के साथ खड़ा रहेगा। हिमंत बिस्वा सरमा अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं, मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि केंद्र सरकार हर संभव मदद करेगी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रभावित इलाकों का दौरा करने के लिए केंद्रीय मंत्री का धन्यवाद किया। इसके साथ ही कहा, श्नड्डा जी ने खुद तबाही का मंजर देखा है।

राहुल गांधी से मिले किरेन रिजिजू संसद गतिरोध खत्म करने में मांगा सहयोग

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद के दोनों सदनों में जारी गतिरोध ा खत्म करने के प्रयास के तहत सरकार ने बुधवार को मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस से संपर्क साधा और मानसून सत्र के शेष दिनों में कार्यवाही सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सहयोग मांगा।

मानसून सत्र की 20 जुलाई को शुरूआत होने के दिन से ही विपक्ष के लगातार विरोध प्रदर्शन के कारण संसद की कार्यवाही में बार-बार व्यवधान आया है। कुछ राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि स्वतंत्रता दिवस के बाद, संसद का एक विशेष सत्र बुलाकर पिछले सत्र में पारित नहीं हो सके परिसीमन विधेयक और नारी शक्ति वंदन (संशोधन) विधेयक को दोबारा पेश किया जा सकता है।

हालांकि, सरकार के सूत्रों ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई कदम उठाने की योजना नहीं है। सूत्रों ने बताया कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि 13 अगस्त को मानसून सत्र संपन्न होने से पहले इसी सत्र में परिसीमन विधेयक लाया जाएगा या नहीं।

हालांकि, विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को सदन में चर्चा और पारित कराने के लिए पेश किये जाने के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के संसद में बोलने की संभावना है।

विपक्ष सदन की कार्यवाही के दौरान शाह की अनुपस्थिति को लेकर लगातार सवाल उठा रहा है। इस बीच, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की।

सूत्रों ने बताया कि संसद भवन परिसर में दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात के दौरान संसद की कार्यवाही में बने गतिरोध को समाप्त करने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

राहुल गांधी संसद में बहस से भागते हैं-गौरव भाटिया

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बुधवार को तीखा हमला करते हुए उन्हें ''अपरिपक्व'' और ''अंशकालिक'' नेता प्रतिपक्ष बताया तथा आरोप लगाया कि वह संसद की कार्यवाही में बाधा डाल रहे हैं क्योंकि वह नरेन्द्र मोदी सरकार के कामकाज की तुलना पूर्ववर्ती कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार से होने से डरते हैं। सत्तारूढ़ दल ने कांग्रेस नेता पर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ ''निराधार'' टिप्पणियां करने का भी आरोप लगाया।

गांधी ने मंगलवार को पूर्व सांसद वाइको की पुस्तक के विमोचन के अवसर पर कहा था कि देश के छात्र ''गहरी पीड़ा'' में हैं और उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माफी नहीं चाहिए बल्कि वे चाहते हैं कि सरकार की कार्रवाई के लिए मोदी सार्वजनिक तौर पर माफी मांगें। उन्होंने यह भी कहा था कि छात्र इसलिए सड़कों पर

हैं क्योंकि आरएसएस देश के इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश कर रहा है। गांधी ने कहा था कि भारत अपने इतिहास को किसी के द्वारा रौंदे जाने को स्वीकार नहीं करेगा।

गांधी ने कहा था कि प्रत्येक राज्य को अपनी संस्कृति और के साथ समान व्यवहार पाने का अधिकार है, लेकिन आरएसएस चाहता है कि केवल उसी के दृष्टिकोण वाला इतिहास स्वीकार किया जाए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने यहां संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि राहुल गांधी ''अपरिपक्व'', ''अंशकालिक'' और ''गैर-जिम्मेदार'' नेता प्रतिपक्ष हैं तथा संसद की कार्यवाही इसलिए बाधित कर रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि मोदी सरकार के कामकाज से तुलना होने पर कांग्रेस की पोल खुल जाएगी।

भाटिया ने दावा किया, ''राहुल गांधी डरे हुए हैं। उन्हें पता है कि जब प्रभावशाली मोदी सरकार और 2004 से 2014 तक की रीढ़विहीन कांग्रेस नीत सरकार की तुलना होगी तो चरित्रहीन कांग्रेस बेनकाब हो जाएगी। इसलिए संसद में व्यवधान डाला जा रहा है।'' भाजपा और आरएसएस पर राहुल गांधी की टिप्पणी का जवाब देते हुए भाटिया ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता ''मोदी-भय'' और ''आरएसएस-भय'' से ग्रस्त हैं तथा बिना किसी प्रमाण के संघ की विचारधारा को बार-बार ''जहरीली'' बताते हैं। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी मोदी-भय और आरएसएस-भय से ग्रस्त हैं। जिस विचारधारा ने पूरी निष्ठा से देश की सेवा की है, उसे 'जहरीली' कहना आसान है, लेकिन बिना किसी सबूत के इसे सिद्ध करना संभव नहीं है।''

छात्रों और परीक्षा सुधारों पर राहुल गांधी की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए भाटिया ने आरोप लगाया कि विपक्ष शासित राज्यों में कथित प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं पर कांग्रेस नेता चुप्पी साध लेते हैं।उन्होंने कहा, ''झारखंड में प्रश्नपत्र लीक हुआ तो राहुल गांधी गायब हैं। कर्नाटक में प्रश्नपत्र लीक हुआ तो राहुल गांधी गायब हैं। केरल में प्रश्नपत्र लीक हुआ तो राहुल गांधी गायब हैं। यह दोहरा मापदंड और यह पाखंड क्यों?''

ड्यूटी छोड़ शराब के नशे में मिले सिपाही की बर्खास्तगी बरकरार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ड्यूटी छोड़कर पुलिस की वर्दी में शराब के नशे में मिले सिपाही की बर्खास्तगी पर मुहर लगा दी। सिपाही ने अपनी बर्खास्तगी को सुनवाई का अवसर नहीं देने का आरोप लगा चुनौती दी थी। कोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ड्यूटी छोड़कर पुलिस की वर्दी में शराब के नशे में मिले सिपाही की बर्खास्तगी पर मुहर लगा दी। सिपाही ने अपनी बर्खास्तगी को सुनवाई का अवसर नहीं देने का आरोप लगा चुनौती दी थी। कोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की एकल पीठ ने देवरिया में तैनात रहे सिपाही संत राम गौतम की याचिका पर दिया है। कहा कि विभागीय जांच में कर्मचारी को पर्याप्त अवसर दिया गया था पर उसने न तो आरोपपत्र का जवाब दिया और न ही कारण बताओ नोटिस का समय रहते उत्तर दिया। ऐसे में प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन का आरोप स्वीकार नहीं किया जा सकता। मामला देवरिया पुलिस लाइन में तैनात सिपाही संत राम गौतम का है। 2010 में उसे एनसीसी गार्ड की ड्यूटी सौंपी गई थी, लेकिन वह बिना सूचना ड्यूटी से गायब हो गए। बाद में वह मछली हट्टा बाजार के पास देसी शराब की दुकान के पास पुलिस वर्दी में नशे की हालत में पाए गए। इसके बाद वह करीब 12 दिन तक अनधिकृत रूप से गायब भी रहे। विभागीय जांच में आरोप सिद्ध होने पर 13 फरवरी 2012 को उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। अपील और पुनरीक्षण भी खारिज होने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

यमुना नैनी में 18 सेमी और फाफामऊ में 31 सेमी बढ़ी गंगा, फिलहाल खतरे के निशान से नीचे

प्रयागराज। जिले में मंगलवार रात हुई बारिश के बाद गंगा और यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की गई। बुधवार सुबह आठ बजे केंद्रीय जल आयोग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार नैनी में यमुना का जलस्तर 74.96 मीटर दर्ज किया गया, जो

पिछले 24 घंटे में 18 सेंटीमीटर बढ़ा है। जिले में मंगलवार रात हुई बारिश के बाद गंगा और यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की गई। बुधवार सुबह आठ बजे केंद्रीय जल आयोग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार नैनी में यमुना का जलस्तर 74.96 मीटर दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटे में 18 सेंटीमीटर बढ़ा है। वहीं फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 78.32 मीटर पहुंच गया, जिसमें 31 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई। छतनाग में गंगा का जलस्तर 74.59 मीटर दर्ज किया गया, जो 14 सेंटीमीटर बढ़ा है।

बारिश की बात करें तो नैनी क्षेत्र में 41.8 मिमी, फाफामऊ में 22.6 मिमी और छतनाग में 28.4 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। हालांकि बढ़ोतरी के बावजूद गंगा का खतरे का निशान 84.734 मीटर है और दोनों नदियां अभी इससे काफी नीचे बह रही हैं। विभाग के अनुसार जिले के सभी तटबंध पूरी तरह सुरक्षित हैं और स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

पत्नी की सुविधा के लिए वैवाहिक विवादों का स्थानांतरण संभव नहीं. याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवादों के मुकदमे को पत्नी की सुविधा, नाबालिग बच्चे की देखभाल या दूसरे जिले में भरण–पोषण का मामला लंबित होने के आधार पर स्थानांतरित नहीं किया जा सकता। यह आदेश तभी दिया जा सकता है, जब साबित हो कि बिना स्थानांतरण न्याय मिलना संभव नहीं है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवादों के मुकदमे को पत्नी की सुविधा, नाबालिग बच्चे की देखभाल या दूसरे जिले में भरण–पोषण का मामला लंबित होने के आधार पर स्थानांतरित नहीं किया जा सकता। यह आदेश तभी दिया जा सकता है, जब साबित हो कि बिना स्थानांतरण न्याय मिलना संभव नहीं है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव की एकल पीठ ने पत्नी की ओर से दाखिल याचिका खारिज कर दी। साथ ही अलीगढ़ के परिवार न्यायालय को पति की ओर से दाखिल दांपत्य अधिकारों की पुनर्स्थापना की याचिका पर शीघ्र फैसला लेने का आदेश दिया है। पत्नी ने पति की ओर से अलीगढ़ के परिवार न्यायालय में लंबित दांपत्य अधिकारों की पुनर्स्थापना की याचिका को गौतम बुद्ध नगर के परिवार न्यायालय में स्थानांतरित करने की मांग की थी। पत्नी ने दलील दी कि वह अपनी नाबालिग बेटी संग गौतमबुद्ध नगर में रहती है। अलीगढ़ आना–जाना आर्थिक रूप से कठिन है। इससे बेटी की पढ़ाई प्रभावित होती है। साथ ही यह भी कहा कि उसका भरण–पोषण का मुकदमा पहले से गौतमबुद्ध नगर में लंबित है। इसलिए दोनों मामलों की सुनवाई एक ही अदालत में होनी चाहिए। पति ने कहा कि पत्नी का मायका और ननिहाल दोनों अलीगढ़ में है। स्थानांतरण की मांग केवल मुकदमे को लंबा खींचने के उद्देश्य से की गई है। हाईकोर्ट ने पत्नी की मांग को सिरे से खारिज कर दिया। कहा कि स्थानांतरण की शक्ति का प्रयोग न्याय हित में किया जाता है, किसी पक्ष की सुविधा के लिए नहीं। स्थानांतरण के लिए केवल सुविधा को आधार बना लिया जाए तो इससे न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। भरण–पोषण और दांपत्य अधिकारों की पुनर्स्थापना के मुकदमे अलग–अलग प्रकृति के हैं। इनका उद्देश्य भी अलग होता हैं।

कदम–कदम पर पानी, सांसत में जिंदगानी

प्रयागराज। खराब सड़क, बारिश में लबालब मोहल्ला, कदम–कदम पर पानी से जिंदगी सांसत में है। जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने से घुटने तक पानी भर गया है। इस वजह से कई दिनों से बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं लेकिन हमारी सुनने वाला कोई नहीं है। नगर निगम जनसुनवाई के दौरान समस्या लेकर पहुंचे झूंसी देव नगर के लोगों ने अपना दर्द बयां किया। मंगलवार को भारी बारिश होने के बाद भी ओम प्रकाश चौरसिया, हरि शंकर शुक्ला, नागेंद्र कुमार मिश्र, अवधेश कुमार शुक्ला, एसएस शुक्ला, पंकज तिवारी, प्रमोद कुमार सिंह, सविता शुक्ला, गौरा देवी व निशा मिश्रा भीगते हुए नगर निगम की जनसुनवाई में पहुंचीं। जहां सभी ने अपर नगर आयुक्त शादाब असलम को ज्ञापन सौंपा। लोगों ने कहा कि मोहल्ले में सड़क, बिजली, पानी, जल निकासी व प्रकाश की उचित व्यवस्था न होने के बावजूद गृहकर, जलकर समेत अन्य टैक्स वसूले जा रहे हैं।

सामूहिक हत्याकांड से फिर दहला शहर, कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

प्रयागराज। दो महीने के भीतर प्रयागराज में तीन बड़े सामूहिक हत्याकांडों ने कानून–व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा मामले में मूकबधिर दंपती और

एक महिला की हत्या ने लोगों में दहशत बढ़ा दी है। लगातार हुई इन वारदातों ने अपराध नियंत्रण और त्वरित खुलासे को लेकर पुलिस की परीक्षा कठिन कर दी है।

मूकबधिर दंपती और एक अन्य महिला की हत्या ने प्रयागराज को एक बार फिर सामूहिक हत्याकांड की दहशत में झोंक दिया है। इससे पहले दो जून को साउथ मलाका में कारोबारी परिवार के चार लोगों की हत्या और 15 जून को मेजा में तिहरे हत्याकांड ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया था। लगातार सामने आईं इन वारदातों ने पुलिस के सामने अपराध पर अंकुश लगाने के साथ ऐसे मामलों के त्वरित खुलासे की चुनौती भी बढ़ा दी है। अलग–अलग थाना क्षेत्रों में हुई इन घटनाओं ने आम लोगों में दहशत बढ़ाई है।

साउथ मलाका में परिवार के चार लोगों की हत्या

दो जून को साउथ मलाका में कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य, उनकी पत्नी अनीता वैश्य, बेटी मीनाक्षी वैश्य और बेटे अभिषेक वैश्य के शव घर और दुकान से मिले थे। कई दिन तक बंद पड़े मकान से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी थी।

मेजा में तीन लोगों की जान ली

15 जून को मेजा इलाके में एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या कर दी गई। घर के अंदर तीनों के शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी।

सुबह सात बजे पता चला, पुलिस को सूचना दी तीन घंटे बाद

तीन लोगों की हत्या के मामले में पुलिस को सूचना देने में हुई देरी अब जांच का विषय बन गई है। मकान मालकिन को मंगलवार सुबह सात बजे वारदात की जानकारी हुई लेकिन पुलिस को सूचना करीब 10.15 बजे दी गई। सवाल उठ रहे हैं कि पुलिस को तत्काल सूचना क्यों नहीं दी गई?

शाहगंज थाना प्रभारी वैभव सिंह के अनुसार, पुलिस पूरे घटनाक्रम की टाइमलाइन तैयार कर रही है। पता लगाया जा रहा है कि सबसे पहले कमरे के अंदर किसने देखा? घटना की जानकारी किन–किन लोगों तक पहुंची? सूचना देने में देर क्यों हुई? मकान मालकिन का कहना है कि उन्हें शुरुआत में यह अहसास नहीं हुआ कि कमरे के अंदर तीनों की हत्या हो चुकी है। उन्होंने पड़ोसियों से अंदर जाकर देखने को कहा था। बाद में जब स्थिति स्पष्ट हुई तो आशीष नामक युवक ने पुलिस चौकी में फोन कर घटना की जानकारी दी।

तीन हत्याएं, कई सवाल.. शराब की बोतल, बिखरा सामान और खून से सने शव दे रहे अलग संकेत

प्रयागराज। प्रयागराज के तिहरे हत्याकांड में पुलिस की शुरुआती जांच और घटनास्थल के हालात अलग–अलग कहानी बयां कर रहे हैं। कमरे से मिली शराब की बोतल, बिखरा सामान और खून से सने शव कई नए सवाल खड़े कर रहे हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर हत्या की गुत्थी सुलझाने में जुटी है। तिहरे हत्याकांड में पुलिस की शुरुआती जांच और घटनास्थल के हालात के बीच कई सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस आपसी विवाद के बाद हत्या की आशंका जता रही है। वहीं, कमरे की स्थिति किसी और कहानी की ओर इशारा कर रही है। घटनास्थल से शराब की बोतल मिली है। इससे आशंका है कि वारदात से पहले कमरे में शराब पार्टी हुई थी। सवाल यह है कि अगर कमरे में शराब पीने के दौरान विवाद हुआ और तीनों की सिलिंडर से वारकर हत्या की गई तो पास के कमरों में रहने वाले किरायेदारों को भनक क्यों नहीं लगी? मकान की दूसरी मंजिल पर रहने वाले किरायेदारों ने चीख–पुकार या जोरदार आवाज सुनने से क्यों इन्कार किया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वारदात के समय कमरे में कितने लोग मौजूद थे? क्या हत्या के बाद किसी ने घटनास्थल को व्यवस्थित करने या सबूत मिटाने की कोशिश की है? कमरे की हालत संकेत दे रही है कि वहां संघर्ष हुआ होगा। एसओजी भी मामले की पड़ताल में जुटी है। रेलवे स्टेशन के आसपास घूमने वाले लोगों को मृतकों की फोटो दिखाकर पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। घटनास्थल वाली गली के ठीक सामने दो सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जिनमें मकान का हिस्सा कवर हो रहा है। पुलिस इन कैमरों की पिछले एक हफ्ते से रिकॉर्डिंग खंगाल रही है। सोमवार रात मकान में कौन–कौन आया? वारदात के बाद कौन वहां से निकला?

बांग्लादेशी कनेक्शन भी तलाश रही पुलिस

मूक–बधिर दंपती और एक अन्य महिला की हत्या के मामले में पुलिस बांग्लादेशी कनेक्शन भी खंगाल रही है। पुलिस पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मृतक दंपती की वास्तविक पहचान क्या थी? वे मूलरूप से कहां के रहने वाले थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, दंपती कबाड़ बीनने का काम करते थे। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि उनका संबंध कहीं ऐसे लोगों से तो नहीं था, जिनकी पहचान संदिग्ध रही हो।

जनवरी 2026 में जिले में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की आशंका को लेकर पुलिस ने कई इलाकों में सत्यापन अभियान चलाया था। लखनऊ से आई टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ धूमनगंज के हरवारा और करेली के मुर्गा दरबार इलाके की बस्तियों में छापा मारा था। इस दौरान पहचान पत्र मांगे जाने पर कुछ लोग मौके से भाग निकले थे। उस समय जांच टीम ने आशंका जताई थी कि कुछ लोग अवैध रूप से रह रहे थे। इनमें कई लोग कबाड़ बीनने, कपड़ा बेचने, मजदूरी और अन्य छोटे–मोटे कामों से जुड़े पाए गए थे। पुलिस अब इस हत्याकांड में भी मृतकों की पहचान और पृष्ठभूमि की जांच कर रही है। पता लगाया जा रहा है कि संदिग्ध लोगों का कोई नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है।

ये स्लो पॉइजन, धीरे-धीरे मार देंगे, बांध देता था पति

डॉक्टर ननद पर इंजेक्शन देने का आरोप, महिला का दर्द

प्रयागराज। प्रयागराज में एक विवाहिता ने पति, डॉक्टर ननद और ससुर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि जिले में विवाहिता ने पति, डॉक्टर ननद और ससुर पर जान से मारने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। साथ ही पति, डॉक्टर ननद और ससुर रमनजीत ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। विवाहिता ने पति के कई महिलाओं से संबंध

उसे बांध देता। डॉक्टर ननद उसे स्लो पॉइजन का इंजेक्शन देती थी। पूछने पर इसे विटामिन–डी का इंजेक्शन बताया जाता था। इंजेक्शन लगते ही वह कई घंटों के लिए अचेत हो जाती थी।

यह स्लो पॉइजन है, तुम्हें धीरे–धीरे मार देंगे

विरोध करने पर कहा जाता था कि यह स्लो पॉइजन है, तुम्हें धीरे–धीरे मार देंगे। अपने भाई के लिए दूसरी भाभी लाएंगे। आरोप है कि ससुर ने झांसे में लेकर कोर्ट में आपसी सहमति से तलाक के कागजातों पर हस्ताक्षर करवा लिए। आरोप है कि इसी वर्ष 24 मई को उसे मायके प्रयागराज छोड़ दिया गया। तब से वह यही है।

सिविल लाइंस पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज कर ससुरालियों पर एफआईआर दर्ज की है। सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि पीड़िता का बयान दर्ज किया गया है, मामले में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

स्लो पॉइजन के इंजेक्शन दिए जाते थे। इंजेक्शन लगते ही वह कई घंटों के लिए अचेत हो जाती थी। सिविल लाइंस पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज कर ससुरालियों पर एफआईआर दर्ज की है।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज धोखे से तलाक के कागजात पर हस्ताक्षर कराने और स्लो पॉइजन का इंजेक्शन लगाने की एफआईआर दर्ज कराई है। पीड़िता ने तहरीर में बताया कि उसका विवाह पांच दिसंबर 2023 को आदित्य प्रताप से हुआ था।

आरोप है कि विवाह के बाद होने के आरोप लगाए हैं। आरोप है कि सितंबर 2025 में ननद नीट–पीजी की परीक्षा देने के बाद कानपुर वाले घर पर आकर रहने लगी।

इसके बाद जब सास–ससुर अपने पैतृक निवास फतेहपुर चले जाते तो पति

छुट्टा पशुओं और लावारिस कुत्तों के खतरे वाले स्थानों की दो सप्ताह में सूची दे सरकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में छुट्टा पशुओं और लावारिस कुत्तों से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने प्रदेश सरकार को व्यापक कार्ययोजना तैयार करने का आदेश दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में छुट्टा पशुओं और लावारिस कुत्तों से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने प्रदेश सरकार को व्यापक कार्ययोजना तैयार करने का आदेश दिया है। साथ ही कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के प्रभावी अनुपालन के लिए सरकार सभी संस्थागत क्षेत्रों की पहचान कर दो सप्ताह में जिला व स्थानीय निकायवार सूची तैयार करे।

यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट के स्वतरू संज्ञान याचिका में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में दिया है। स्पष्ट किया कि इस सूची में सरकारी और निजी शिक्षण संस्थान, अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, बस अड्डे, रेलवे स्टेशन, खेल परिसर सहित ऐसे सभी सार्वजनिक स्थान शामिल किए जाएं, जहां लोगों की आवाजाही अधिक रहती है। संस्थागत क्षेत्रों की पहचान केवल नाम के आधार पर नहीं, बल्कि उनके उपयोग और सार्वजनिक महत्व के आधार पर की जाए।

कोर्ट ने प्रदेश, केंद्र सरकार और एनएचएआई को शपथपत्र दाखिल करने को कहा है

कोर्ट ने केंद्र सरकार को भी उत्तर प्रदेश में उसके प्रशासनिक नियंत्रण वाले संस्थानों की जिलेवार सूची प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। वहीं, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और प्रदेश सरकार से हाईवे पर लावारिस पशुओं की पहचान, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, उनके भोजन, पानी–उपचार की व्यवस्था संबंधी कार्ययोजना भी मांगी है। इसके अलावा कोर्ट ने प्रदेश सरकार से सार्वजनिक पार्कों, उद्यान, खेल मैदानों में लावारिस कुत्तों के प्रबंधन के लिए कानूनी और नीतिगत उपायों पर विचार करने को भी कहा है। कोर्ट ने प्रदेश सरकार, केंद्र सरकार और एनएचएआई को उठाए गए कदमों का शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त निर्धारित की है।

लंबित आपराधिक मुकदमे के आधार पर चरित्र प्रमाणपत्र से इन्कार करना गलत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि केवल आपराधिक मुकदमा लंबित होने के आधार पर किसी का चरित्र प्रमाणपत्र जारी करने से इन्कार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक किसी व्यक्ति को सक्षम न्यायालय दोषी करार नहीं देता, तब तक लंबित मुकदमे को उसके चरित्र पर प्रतिकूल टिप्पणी का आधार नहीं बनाया जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि केवल आपराधिक मुकदमा लंबित होने के आधार पर

किसी का चरित्र प्रमाणपत्र जारी करने से इन्कार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक किसी व्यक्ति को सक्षम न्यायालय दोषी करार नहीं देता, तब तक लंबित मुकदमे को उसके चरित्र पर प्रतिकूल टिप्पणी का आधार नहीं बनाया जा सकता। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया और न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने जालौन निवासी भरत लाल गुप्ता की याचिका स्वीकार कर ली। साथ ही डीएम का आदेश रद्द कर निर्धारित प्रारूप पर तीन सप्ताह के भीतर याची का चरित्र प्रमाणपत्र जारी करने का आदेश दिया है। याची के चरित्र प्रमाणपत्र के नवीनीकरण की अर्जी डीएम ने एक नवंबर 2021 को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि उसके खिलाफ मारपीट और गालीगलौज के आरोप में 2018 का मुकदमा लंबित है। कोर्ट ने अवतार सिंह के मामले में दिए गए सुप्रीम आदेश का हवाला दिया। कहा कि यदि अभ्यर्थी ने अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले की सही जानकारी दी है और कोई तथ्य नहीं छिपाया है तो सक्षम प्राधिकारी को मामले की प्रकृति, गंभीरता को ध्यान में रखकर निर्णय लेना चाहिए। केवल मुकदमे की लंबित स्थिति आवेदन अस्वीकार करने का आधार नहीं हो सकती।

पीडीए ने सोशल मीडिया पर भी बढ़ाई निगरानी, जमीन का फर्जीवाड़ा करने वालों पर नकेल कसने की तैयारी

प्रयागराज। सोशल मीडिया पर भ्रामक विज्ञापनों के जरिये जमीन की खरीद–फरोख्त करने वालों पर लगाम कसने के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने सोशल मीडिया के साथ मौके पर भी निगरानी बढ़ा दी है। पीडीए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 14 अकाउंट चिह्नित किए हैं जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएगी। सोशल मीडिया पर भ्रामक विज्ञापनों के जरिये जमीन की खरीद–फरोख्त करने वालों पर लगाम कसने के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने सोशल मीडिया के साथ मौके पर भी निगरानी बढ़ा दी है। पीडीए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 14 अकाउंट चिह्नित किए हैं जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएगी। पीडीए की ओर से पिछले तीन माह के दौरान सैकड़ों बीघा जमीन पर अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त की गई है। वहीं, बड़ी संख्या में बिना मानचित्र के कराए जा रहे अवैध निर्माण भी सील किए गए हैं। इसके अलावा जहां नए पुल या अन्य सार्वजनिक निर्माण प्रस्तावित अथवा स्वीकृत हैं, वहां भी भूमाफिया सक्रिय हुए हैं और किसानों से सस्ते में जमीन लेकर बिना ले–आउट के प्लॉटिंग कराकर ऊंचे दामों पर जमीन बेच रहे हैं। हालांकि, पीडीए की ओर से एडवाइजरी जारी की गई है कि तलपट मानचित्र स्वीकृत कराकर ही विकास कार्य कराया जाए। साथ ही आम जनमानस को सलाह दी है कि किसी भी अवैध कॉलोनी, मेला क्षेत्र एवं बाढ़ क्षेत्र (उच्चतम बाढ़ बिंदु) के भूखंडों का क्रय या विक्रय न करें।

पतंजलि ऋषिकुल का 'बियोंड बाउंड्रीज' बना खेल प्रतिभाओं का सबसे बड़ा मंच, आठ दिवसीय महोत्सव का भव्य समापन

प्रयागराज। पतंजलि ऋषिकुल विद्यालय में सात दिवसीय अंतरविद्यालयी खेल प्रतियोगिता बियोंड बाउंड्रीज–2026–27 (स्पोर्ट्स फिएस्टा) के सीजन–3 का समापन समारोह विद्यालय के क्रीड़ा मैदान में अत्यंत हर्षोल्लास, उत्साह, एकजुटता एवं सौहार्द के साथ हुआ। इस खेल कार्यक्रम में प्रयागराज जिले के सीबीएसई एवं आईसीएसई के 30 विद्यालयों से आई हुई 58 टीमों तथा व्यक्तिगत स्पर्धाओं में लगभग 350 छात्र–छात्राओं ने बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, ताइक्वांडो, टेबल टेनिस एवं योग में प्रतिभाग किया। यह प्रतियोगिता 29 जुलाई से 5 अगस्त 2026 तक चली।

बियोंड बाउंड्रीज के समापन समारोह के मुख्य अतिथि, श्री निशांत सिंगला जी, रजिस्ट्रार, इलाहाबाद उच्च न्यायालय एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व ओलंपिक बैडमिंटन खिलाड़ी श्री अभिन्न श्याम गुप्ता रहे। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री अनिल कुमार, क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी प्रयागराज, श्री शिवकुमार यादव, श्रीमती सोनिया सिंगला, श्रीमती नलिनी गुप्ता, श्री विकास पांडेय, पतंजलि ऋषिकुल विद्यालय की निदेशिका श्रीमती रेखा बैद, सचिव श्री यशोवर्धन, महर्षि पतंजलि विद्यालय समूह के प्रधानाचार्या श्रीमती अल्पना डे, श्रीमती विभा श्रीवास्तव, श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या, श्रीमती रविंदर बिर्दी, पतंजलि ऋषिकुल के प्रधानाचार्य श्री नित्यानंद सिंह अन्य विद्यालयों से आए हुए प्रधानाचार्य, 30 विद्यालयों से आए हुए पीटीआई और कोच, अभिभावकगण, शिक्षक/ शिक्षिकाएं एवं छात्र/ छात्राएँ सम्मिलित रहे। सभी विशिष्ट जनों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

मुख्य अतिथि जी एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन के पश्चात् कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ।

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री नित्यानंद सिंह ने अंतरविद्यालयी खेल प्रतियोगिता 'बियोंड बाउंड्रीजद्2026–27 (सीजनदृ 3)' के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि जी एवं अन्य गणमान्य अतिथियों, सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों, अतिथियों एवं अभिभावकों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व, सहयोग और उत्कृष्ट चरित्र निर्माण का सशक्त आधार हैं। उन्होंने सभी विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों की खेल भावना की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी विद्यालयों, शिक्षकों एवं आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया।

तत्पश्चात् समस्त दर्शकों के समक्ष आठ दिनों तक चले बियोंड बाउंड्रीज सीजन–3 की रिपोर्ट पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से साझा की गई। खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन हेतु प्रेरणादायक गीत "लहरा दो" एवं एनर्जेटिक डांस सूरमा के बाद कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

आठ दिवसीय अंतरविद्यालयी खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली विजेता टीमों एवं छात्र–छात्राओं को मुख्य अतिथि जी के द्वारा पदक, ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

बास्केटबाल में अंडर –19 बालिका वर्ग में विजेता पतंजलि ऋषिकुल विद्यालय (टीम ठ) एवं उपविजेता पतंजलि ऋषिकुल विद्यालय (टीम ।) रहा द्य अंडर –19 बालक वर्ग में विजेता आर्मी पब्लिक विद्यालय, न्यू कैंट एवं उपविजेता पतंजलि ऋषिकुल विद्यालय रहा। बेस्ट प्लेयर का ख़िताब अंडर –19 बालक वर्ग में धैर्य भूषण (पतंजलि ऋषिकुल) और अंडर –19 बालिका वर्ग में नमस्वी जैस्वाल (पतंजलि ऋषिकुल) को मिला द्य

बास्केटबाल में अंडर –14 बालक वर्ग में विजेता सेंट जोसेफ विद्यालय एवं उपविजेता गुरुकुल मोंटेसरी विद्यालय प्रयागराज रहा। अंडर –14 बालिका वर्ग में विजेता पतंजलि ऋषिकुल विद्यालय प्रयागराज एवं उपविजेता शकुन विद्या निकेतन प्रयागराज रहा द्य बेस्ट प्लेयर का ख़िताब अंडर –14 बालक वर्ग में सूर्यांश (गुरुकुल मोंटेसरी) और बालिका वर्ग में शान्वी (पतंजलि ऋषिकुल) प्रयागराज को मिला द्य

वॉलीबाल में अंडर 19 बालक वर्ग में विजेता एम. वी. कौन्वेंट विद्यालय एवं उपविजेता सेमस्टार ग्लोबल विद्यालय प्रयागराज रहा। अंडर 19 बालिका वर्ग में विजेता पतंजलि ऋषिकुल विद्यालय एवं उपविजेता श्री महाप्रभू पब्लिक विद्यालय प्रयागराज रहा। बेस्ट प्लेयर अंडर–19 बालक वर्ग में नवीन कुमार पटेल (सेमस्टार ग्लोबल विद्यालय)एवं बेस्ट प्लेयर अंडर–19 बालिका वर्ग में मि मिष्टी मंडल(पतंजलि ऋषिकुल) रहे।

टेबल टेनिस में अंडर–14 बालिका वर्ग में एस.एम.सी. की इंद्राणी चटर्जी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि पतंजलि ऋषिकुल की विदुषी सिंह ने रजत पदक अर्जित किया।

वहीं अंडर–14 बालक वर्ग में श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल के सुयश त्रिपाठी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि पतंजलि ऋषिकुल के अनंत त्रिपाठी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक प्राप्त किया।

योग में अंडर 11 बालिका वर्ग में बेस्ट प्लेयर नितारा अपर्ना (आर्मी पब्लिक विद्यालय, न्यू कैंट) एवं अंडर 11 बालक वर्ग में बेस्ट प्लेयर अव्यान श्री (पतंजलि ऋषिकुल विद्यालय) प्रयागराज और अंडर 14 बालिका वर्ग में बेस्ट प्लेयर देवांगी चौहान (आर्मी पब्लिक विद्यालय, न्यू कैंट) प्रयागराज एवं अंडर 14 बालक वर्ग में बेस्ट प्लेयर अरिहंत आर्या (पतंजलि ऋषिकुल विद्यालय) स्कूल रहे।

योग में अंडर 17 बालिका वर्ग में बेस्ट प्लेयर का खिताब अद्रिजा पांडेय (महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर) प्रयागराज को मिला एवं अंडर 17 बालक वर्ग में बेस्ट प्लेयर वियान मिश्रा (पतंजलि ऋषिकुल विद्यालय) प्रयागराज को मिला

ताइक्वांडो – पूमसे (व्यक्तिगत)

किड्स बालिका वर्ग में पतंजलि ऋषिकुल की अनुश्री त्रिपाठी ने स्वर्ण पदक तथा देवांशी सिंह ने रजत पदक प्राप्त किया। अंडर–12 बालिका वर्ग में आद्या सरोज ने स्वर्ण पदक एवं देवांशी सिंह ने रजत पदक अपने नाम किया।

अंडर–14 बालिका वर्ग में अनन्या आनंद एवं अमीषा सिंह (दोनों, पतंजलि ऋषिकुल) ने संयुक्त रूप से स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि अन्विता भार एवं अदिति सिंह (दोनों, पतंजलि ऋषिकुल) ने संयुक्त रूप से रजत पदक अर्जित किया।

ताइक्वांडो – पूमसे (टीम)

अंडर–12 बालिका टीम में सान्विका दिवाकर, ईशानवी झा एवं रिया दिवाकर (पतंजलि ऋषिकुल) ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि आव्या केशरवानी, वेदांशी सिन्हा एवं शान्वी अग्रवाल (पतंजलि ऋषिकुल) ने रजत पदक प्राप्त किया।

अंडर–14 बालिका टीम में आर्या सिंह, उन्नति श्रीवास्तव एवं कनिका मिश्रा (पतंजलि ऋषिकुल) ने स्वर्ण पदक अर्जित किया, जबकि यालिनी एम., बी. गुना मोक्षिता एवं अदिति शुक्ला ने रजत पदक प्राप्त किया।

अंडर–17 बालिका टीम में अमीषा सिंह, अदिति सिंह एवं सिद्धि पांडेय (पतंजलि ऋषिकुल) ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि साक्षी त्यागी, आराध्या सिंह परमार एवं अंकिता मिश्रा ने रजत पदक प्राप्त किया।

ताइक्वांडो दृ क्योरुगी (फाइट)

ताइक्वांडो की क्योरुगी (फाइट) प्रतियोगिता में विभिन्न भार वर्गों में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्ण एवं रोमांचक मुकाबले प्रस्तुत किए।

किड्स (–16 किग्रा.) वर्ग में महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर की सान्वी यादव ने स्वर्ण पदक तथा पतंजलि नर्सरी स्कूल की सिया सिंह ने रजत पदक प्राप्त किया।

किड्स (–20 किग्रा.) वर्ग में पतंजलि नर्सरी स्कूल की सौभाग्यश्री पांडेय ने स्वर्ण पदक तथा वाची सिंह चौहान ने रजत पदक अर्जित किया।

किड्स (+24.1 किग्रा.) वर्ग में पतंजलि नर्सरी स्कूल की अध्या कृष्णा ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

सब–जूनियर (–24 किग्रा.) वर्ग में पतंजलि ऋषिकुल की क्षिरजा ने स्वर्ण पदक तथा अवनी दत्त ने रजत पदक प्राप्त किया।

सब–जूनियर (–28 किग्रा.) वर्ग में अनुश्री त्रिपाठी ने स्वर्ण पदक एवं रितिशा धांडा ने रजत पदक जीता।

सब–जूनियर (–36 किग्रा.) वर्ग में शान्वी अग्रवाल ने स्वर्ण पदक तथा याश्वी चौधरी ने रजत पदक अर्जित किया।

सब–जूनियर (+45.1 किग्रा.) वर्ग में एम.पी.वी.एम. की अविका किलम ने स्वर्ण पदक तथा महर्षि विद्या मंदिर, नैनी की शुभी पटेल ने रजत पदक प्राप्त किया।

कैडेट (–47 किग्रा.) वर्ग में एम.पी.वी.एम. की रियांशी जौहरी ने स्वर्ण पदक तथा महर्षि विद्या मंदिर, नैनी की अविशी शुक्ला ने रजत पदक जीता।

कैडेट (+47.1 किग्रा.) वर्ग में पतंजलि ऋषिकुल की स्मृति राजपूत ने स्वर्ण पदक तथा अंकिता मिश्रा ने रजत पदक अर्जित किया। वहीं कैडेट ओवर +52 किग्रा. वर्ग में पतंजलि ऋषिकुल की नाविका गुप्ता ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

जूनियर (–42 किग्रा.) वर्ग में पतंजलि ऋषिकुल की आराध्या सिंह परमार ने स्वर्ण पदक तथा महर्षि विद्या मंदिर, नैनी की अनुराधा शुक्ला ने रजत पदक प्राप्त किया।

जूनियर (–50 किग्रा.) वर्ग में पतंजलि ऋषिकुल की साक्षी त्यागी ने स्वर्ण पदक तथा महर्षि विद्या मंदिर, नैनी की आर्या सिंह ने रजत पदक अर्जित किया।

जूनियर (+58.1 किग्रा.) वर्ग में पतंजलि ऋषिकुल की अमीषा सिंह ने स्वर्ण पदक तथा महर्षि विद्या मंदिर, नैनी की श्रियान्शी सिंह ने रजत पदक प्राप्त किया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, श्री निशांत सिंगला जी ने अपने संबोधन में कहा कि खेल केवल जीत–हार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में आयोजित होने वाली ऐसी अंतरविद्यालयी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, टीम भावना, धैर्य एवं सकारात्मक सोच का अमूल्य पाठ पढ़ाती हैं। उन्होंने पतंजलि ऋषिकुल द्वारा आयोजित 'बियोंड बाउंड्रीजद्2026–27 (सीजनदृ 3)' की भव्य एवं उत्कृष्ट व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि सफलता निरंतर परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम होती है, जबकि जो प्रतिभागी इस बार विजयी नहीं हो सके, उन्हें भी निराश न होकर और अधिक मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

तत्पश्चात् माननीय विशिष्ट अतिथि, आदरणीय श्री अभिन्न श्याम गुप्ता जी के द्वारा स्पोर्ट्स मीट क्लोज की घोषणा की गई और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विद्यालय की उपाध्यक्ष डॉ. कृष्णा गुप्ता ने अपने संदेश में कहा कि 'बियोंड बाउंड्रीज' विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने तथा उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और खेल भावना विकसित करने का सशक्त मंच है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

विद्यालय की निदेशिका श्रीमती रेखा बैद एवं सचिव श्री यशोवर्धन जी ने कहा कि शिक्षा और खेल का समन्वय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार है। उन्होंने सभी विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

सावन का व्यख्यान

(कुण्डलिया)

जीवन के प्रति प्रेम पर, सावन का व्याखान।
सुन्दरता को अर्थ दे,गाती मंगलगान।
गाती मंगलगान,ईश के प्रति श्रृद्धा का।
एक सूत्र में बाँध,प्रकृति नारी परंपरा।
सुन लो कहें प्रदीप, यही है सत्य सनातन।
जिसमें ऋतु रति और, सभी ऋषि का है जीवन।।

सयंम श्रृद्धा शान्ति हो, व्रत तीरथ अरु जाप।
सावन के श्रृंगार हैं, शिव का प्रेमालाप।
शिव का प्रेमालाप, शिवालय तक की यात्रा।
समझाती शिव–सार, बताकर दिव्य साधना।
सुन लो कहें प्रदीप, राह जो लगती दुर्गम।
सावन करता सहज,भजन कर रखकर संयम।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

विद्यामंदिर क्लासेस ने लॉन्च की राष्ट्रीय छात्रवृत्ति परीक्षा वीआईक्यू 2026

कक्षा 7 से 12 तक के विद्यार्थियों को मिलेगा 100% तक स्कॉलरशिप का अवसर

लखनऊ (संवाददाता)। आईआईटी–जेईई, नीट एवं फाउंडेशन कोर्स की तैयारी कराने वाले अग्रणी शिक्षण संस्थान विद्यामंदिर क्लासेस (वीएमसी) ने बुधवार को गोमती नगर स्थित अपने लखनऊ केंद्र पर आयोजित प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय छात्रवृत्ति परीक्षा टप्फ 2026 का औपचारिक शुभारंभ किया। इस परीक्षा के माध्यम से कक्षा 7 से 12 तक के मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, करियर मार्गदर्शन तथा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित करने का अवसर मिलेगा। प्रेस वार्ता में जयदीप विद्यार्थी (बिजनेस हेड, विद्यामंदिर क्लासेस, लखनऊ), पवन कुमार सिंह (सेंटर हेड, लखनऊ) तथा राजीव मिश्रा (मार्केटिंग हेड) ने संयुक्त रूप से मीडिया प्रतिनिधियों को परीक्षा की जानकारी दी। इस अवसर पर जयदीप विद्यार्थी ने कहा कि टप्फ केवल छात्रवृत्ति परीक्षा नहीं, बल्कि देशभर की प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने का एक राष्ट्रीय मंच है।

संस्थान का उद्देश्य आर्थिक परिस्थितियों से परे प्रत्येक योग्य विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुभवी मार्गदर्शन और अपने सपनों को साकार करने का अवसर उपलब्ध कराना है। वहीं राजीव मिश्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की भूमि है। टप्फ 2026 के माध्यम से विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, ऑल इंडिया परफॉर्मेंस एनालिसिस और विशेषज्ञ करियर काउंसलिंग उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे आईआईटी–जेईई, नीट , ओलंपियाड एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी कर सकें। उन्होंने प्रदेश के सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम में पवन कुमार सिंह ने बताया कि विद्यामंदिर क्लासेस वर्ष 1986 से विद्यार्थियों को आईआईटी–जेईई, नीट एवं फाउंडेशन कार्यक्रमों की गुणवत्तापूर्ण तैयारी करा रहा है। अनुभवी शिक्षकों, आधुनिक शिक्षण पद्धति और उत्कृष्ट परिणामों के बल पर संस्थान ने हजारों विद्यार्थियों को आईआईटी–एनईटी, नीट सहित देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग एवं मेडिकल संस्थानों में प्रवेश दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि टप्फ 2026 के तहत विद्यार्थियों को 100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति, ऑल इंडिया परफॉर्मेंस एनालिसिस, विशेषज्ञ करियर काउंसलिंग तथा आईआईटी–जेईई, नीट ओलंपियाड एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्थित तैयारी का रोडमैप उपलब्ध कराया जाएगा।

कार सवार परिवार पर फायरिंग, पुलिस चौकी पहुंचकर बचाई जान

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के पारा थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक कार सवार परिवार पर हमला किया गया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि मामूली कहासुनी के बाद कई बाइक और कारों से आए लोगों ने उनकी गाड़ी को घेरकर ईंट–पत्थर बरसाए और तीन राउंड फायरिंग भी की। हालांकि, पुलिस ने अभी तक गोली चलने की पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच शुरू कर दी है। अपनी जान बचाने के लिए रंजीत ने कार की रफ्तार बढ़ा दी। इस दौरान उनकी कार तीन बाइकों से टकरा गई। वह किसी तरह बुद्धेश्वर चौराहा पुलिस चौकी पहुंचे और घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया। पीड़ित रंजीत यादव और उनकी पत्नी पिंकी ने इस दिनदहाड़े हुई घटना पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। रंजीत यादव ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब 12.30 बजे वह अपनी पत्नी पिंकी और डेढ़ वर्षीय बेटे के साथ कार से हंसखेड़ा से दुबग्गा स्थित चरक इंस्टीट्यूट जा रहे थे।

मुंशी प्रेमचंद जयंती पर प्रेमचंद का साहित्य एवं जनमानस पर प्रभाव विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

लखनऊ (संवाददाता)। नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेन्द्र नगर के हिंदी विभाग की नवज्योतिका संस्था एवं उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का मुख्य विषय श्प्रेमचंद का साहित्य एवं जनमानस पर प्रभावश रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात, अतिथियों को पौधे, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। प्रथम वक्ता–प्रो. राहुल पांडे हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, उन्होंने प्रेमचंद के विचारों को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रेमचंद के अनुसार साहित्य सदैव उद्देश्यपूर्ण होना चाहिए। वे एक कालजयी लेखक थे, जिन्होंने अपने समय और समाज का विशद अध्ययन किया। उनके साहित्य में कृषक जीवन, नारी के विविध रूप, छुआछूत और सांप्रदायिकता जैसी समस्याओं का सजीव चित्रण मिलता है। उन्होंने किसानों की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए लिखा था। किसान नरम चारा है।

सदन में हंगामे के बाद भावुक हुए विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, बोले

सोचूंगा मैं इस पोस्ट के लायक हूं या नहीं?

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान कल जमकर हंगामा हुआ। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सपा विधायक को सदन से निष्कासित कर

दिया लेकिन सपा विधायक के निष्कासन की घटना से विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना काफी आहत नजर आए।सत्र की कार्यवाही शुरू होते ही आज विधानसभा अध्यक्ष ने भावुक होकर अपनी बात रखी।उन्होंने कहा कि वह राजनीतिक जीवन के अंतिम दौर में हैं और सदन में घटी घटनाओं से दुखी व निराश हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने यहां तक कह दिया कि वह इस बात पर विचार करेंगे कि क्या वह इस पद के योग्य हैं या नहीं। उनके इस बयान के बाद सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं के बीच चर्चा होने लगी।सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने बीते दिन के घटनाक्रम पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में मेरी कोशिश रही कि विधानसभा की गरिमा बरकरार रहे. विपक्ष का काम मुद्दा उठाना है और सरकार का काम सुनना लेकिन कल जो सदन में हुआ, उससे मैं दुखी और निराश हुआ हूं। क्या मेरे आचरण में कहीं कमी रही या फिर बाबा साहेब अंबेडकर की बात सही थी कि व्यक्ति में ही दिक्कत होती है? मेरी लंबी राजनीतिक पारी रही है और अब मैं इसके अंतिम चरण में हूं. मेरी अपील है कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विचार करें कि हम आने वाली पीढ़ी को क्या संदेश दे रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने सदन में बिना अनुमति फोटो और वीडियो खींचकर सोशल मीडिया पर डाले जाने पर भी कड़ी आपत्ति जताई। वह जल्द ही इस पर विचार करेंगे कि वे इस पद के लायक हैं या नहीं। सपा विधायक संग्राम सिंह यादव ने विपक्ष का पक्ष रखते हुए कहा कि विपक्ष हमेशा सहयोग करता रहा है लेकिन प्रदेश और देश के मुद्दों पर बोलना उनकी जिम्मेदारी है। सदन में विपक्ष के लिए जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया गया, वह ठीक नहीं था।सपा विधायक की बात का जवाब देते हुए सतीश महाना ने कहा श्मैंने आपसे कहा था कि मैं दो घंटे तक आपकी बात सुनूंगा।मैं बार–बार हाथ जोड़ रहा था और आपको अवसर दे रहा था। इसलिए यह मत कहिए कि आपको बोलने का मौका नहीं दिया गया। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने विधानसभा अध्यक्ष से संवाद करते हुए कहा कि यदि विषय पर एक घंटे चर्चा करा दी जाती, तो सारा विवाद वहीं खत्म हो जाता।

उधर सरकार की तरफ से पक्ष रखते हुए संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा अध्यक्ष को ढांढस बंधाया और कहा कि उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है, यह सिर्फ एक संसदीय अड़चन है। कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि सदन की गरिमा बनाए रखना सभी का कर्तव्य है।

प्रयागराज-सीकर साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी का झींझक स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 04161/04162 प्रयागराज-सीकर साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी का झींझक स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव	आगमन	प्रस्थान
04161	प्रयागराज - सीकर	झींझक	21:01	21:03
04162	सीकर - प्रयागराज		03:21	03:23

• प्रयागराज से गाड़ी संख्या 04161, प्रत्येक सोमवार, दिनांक : 10.08.2026 से 30.11.2026 • सीकर से गाड़ी संख्या 04162, प्रत्येक मंगलवार, दिनांक : 11.08.2026 से 01.12.2026

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1788/26(AS)

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या. 26/36 दिनांक : 04.08.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
38261888	नॉन एस्बेस्टस एल टाईप कम्पोजिशन ब्रेक ब्लॉक्स	65194 नग	31.08.2026
60255003बी	यूनिवर्सल फ्रटिग्यू टेस्टिंग मशीन 300 के एन.	1 नग	25.08.2026
63265705	हाई टेंसिल स्टील वायर स्ट्रैंड्स	600 MT.	07-SEP-26

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1789/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONC

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेण्डर नं. सीआरवाइजे-सिग-027-2026-27 दिनांक: 04.08.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरि. मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/समन्वय, उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेण्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा ई-निविदा में अंकित खुलने के दिनांक को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:

निविदा नं.: 027, कार्य का विवरण: अघोरी खास स्टेशन पर लूप लाइन संख्या-1 (सीसीयू छो) एवं इंजन साइडिंग के मध्य कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने हेतु सिग्नलिंग कार्य।

अनुमानित मूल्य : ₹ 53,60,338.57 | धरोहर राशि : ₹ 1,07,200/-

निविदा प्रपत्र का मूल्य : ₹ 0.00 | कार्य समापन की अवधि : बारह माह।

निविदा खुलने की तिथि : 31.08.2026 | निविदा की वैधता : निविदा खुलने के 60 दिन तक।

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप: निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह अंकित स्टाम्प शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह U.P. स्टाम्प अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेगी।

निविदा खुलने का समय तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

निविदा हैंडलिंग हेतु रेलवे के अधिकार : रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 1802/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

भाजपा को झटका

विधानसभा के हालिया उपचुनावों के जो परिणाम सामने आए हैं, वे निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी के माथे पर शिकन लाने वाले कहे जा सकते हैं। बिहार जहां भाजपा के नेतृत्व में गठबंधन सरकार है और पहली बार उसका मुख्यमंत्री बना है, वहां हाईप्रोफाइल बांकीपुर उपचुनाव में उसे हार का सामना करना पड़े तो इसको लेकर पार्टी की फिक्र बढ़ना लाजमी ही है। पिछले बिहार विधानसभा चुनावों में नई–नवेली बनी जन सुराज पार्टी यानी जे.एस.पी की करारी हार हुई थी। उस हार से सबक लेकर जेएसपी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ताल ठोककर बांकीपुर उपचुनाव मैदान में उतरे थे। इस तरह प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव में अच्छी जीत हासिल करके भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने में कामयाबी हासिल कर ही ली। राज्य में सत्ताधारी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिये चुनाव परिणाम और भी अधिक कष्टदायक होगा, क्योंकि यह पार्टी के खाते वाली सीट थी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन के राज्यसभा के लिये चुने जाने के बाद यह सीट खाली हुई थी। जाहिर तौर पर यह सामान्य विधानसभा सीट नहीं थी, इसको फिर से हासिल करना भाजपा की प्राथमिकता भी रही होगी। कमोबेश भाजपा के लिये ऐसी ही निराशाजनक खबरें अन्य राज्यों से भी आई हैं। लंबे समय से भाजपा का गढ़ माने जाने वाले एक और राज्य मध्यप्रदेश में भाजपा उम्मीदवार को हार मिली। मध्य प्रदेश की दतिया सीट कांग्रेस ने कब्जा ली है। दरअसल, इस सीट में उपचुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर खासा बवाल हुआ था। पिछली भाजपा सरकार में इस सीट से एक दिग्गज मंत्री बने थे। इस बार उनको टिकट न मिलने पर उग्र प्रदर्शन व धरने हुए थे। इस बड़े विवाद का फायदा कांग्रेस के प्रत्याशी को हुआ। हां, भाजपा के लिए एक सुकूनभरी खबर गुजरात से आई। पार्टी के इस परंपरागत गढ़ में उपचुनाव के बाद, वडोदरा जिले की मंजलपुर विधानसभा सीट पर पार्टी ने अपना कब्जा बरकरार रखा। बहरहाल, बिहार में बांकीपुर सीट को खो देना भाजपा को परेशान करने वाला जरूर है। बांकीपुर का बदला जनादेश न सिर्फ नितिन नवीन के लिये, बल्कि बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिये भी असहज करने वाली स्थिति है। दरअसल, प्रचार के दौरान प्रशांत किशोर ने स्थानीय मुद्दों के साथ मुख्यमंत्री पर तीखे हमले किये थे। उन्होंने राज्य में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और कानून–व्यवस्था जैसे अहम मुद्दों को लगातार विभिन्न मंचों से उठाया था। जाहिर है अब मुख्यमंत्री को पार्टी के भीतर ही जवाबदेही को लेकर मुश्किल स्थिति का सामना करना होगा। वहीं इस जीत से प्रशांत किशोर के हौसले बुलंद हैं। वह देश के कई दिग्गज राजनेताओं के चुनाव अभियानों के सारथी रह चुके हैं। वे जनता के मिजाज को भांपने का हुनर भी जानते हैं। अब अपनी जीत से उत्साहित प्रशांत किशोर राज्य सरकार के खिलाफ अपना रुख और सख्त करेंगे। वे आने वाले समय में बिहार में जन सुराज पार्टी को तीसरे मोर्चे के तौर पर पेश करने की तैयारी में हैं। वहीं दूसरी ओर राज्य में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड के बीच असहज होता गठबंधन, पहले ही प्रशांत किशोर के लिये अनुकूल स्थितियां बना रहा है। राजनीतिक पंडित इन उप–चुनावों के परिणामों की अलग–अलग तरह से व्याख्या कर रहे हैं। दरअसल, बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की एक–एक विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव, नीट पेपर लीक और दूसरे मुद्दों को लेकर भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ जेन–जी के विरोध प्रदर्शनों के बाद पहली चुनावी लड़ाई थी। जंतर–मंतर पर हुए ऐतिहासिक आंदोलन के बाद सत्ताधारी पार्टी फिर से बढ़त बनाने की कवायद में जुटी है। वहीं दूसरी ओर राम मंदिर में दान की चोरी की घटना ने भी पार्टी की मुश्किलें बढ़ाई हैं। जिसको लेकर विपक्ष लगातार हमलावर है। दरअसल, यह एक ऐसा भावनात्मक मुद्दा है जो उसके परंपरागत वोट बैंक को नुकसान पहुंचा सकता है। अब जब कि उत्तर प्रदेश में अहम विधानसभा चुनावों में करीब छह महीने ही बाकी हैं, पार्टी को अपनी खोई रफ्तार हासिल करने के लिये केंद्र और राज्य स्तर पर साफ–सुथरे शासन को प्राथमिकता देनी होगी।

ट्रम्प का गाजा निशस्त्रीकरण का नवीनतम ऐतिहासिक समझौता

असद मिर्जा

डोनाल्ड ट्रम्प ने गाजा में हमास के पूर्ण निशस्त्रीकरण के लिए अपने श्बोर्ड ऑफ पीसश (शांति बोर्ड) द्वारा मध्यस्थता किए गए एक ऐतिहासिक समझौते की घोषणा की है। लेकिन नेतन्याहू इसे अपर्याप्त बताते हैं, हमास निशस्त्रीकरण को इजरायल की पूरी वापसी से जोड़ता है, और वाशिंगटन एक साथ ईरान पर नए हमलों की तैयारी कर रहा है– जो यह उजागर करता है कि यह क्षेत्र वास्तव में कितना अशांत बना हुआ है।

30 जुलाई, 2026 की रात, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने विशिष्ट अंदाज में श्ट्रूथ सोशलश पर लिखा, श्आज, बोर्ड ऑफ पीस हमास और गाजा में अन्य सभी सशस्त्र समूहों के पूर्ण निशस्त्रीकरण के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर पहुंच गया है। यह स्थायी शांति और सुरक्षा की ओर एक ऐतिहासिक कदम है। इसे अक्टूबर 2025 में उनके द्वारा कराई गई युद्धविराम संधि के लंबे समय से प्रतीक्षित दूसरे चरण और उनकी 20–सूत्रीय गाजा शांति योजना की पुष्टि के रूप में पेश किया गया था। लेकिन कुछ ही घंटों के भीतर, उत्सव का माहौल बिगड़ गया। नेतन्याहू के कार्यालय ने लगभग तुरंत एक बयान जारी कर कहा कि शांति बोर्ड का 15–सूत्रीय निशस्त्रीकरण प्रस्ताव गाजा के पूर्ण विसैन्यीकरण की इजरायल की मांगों को पूरा नहीं करता है, जिससे आगे का रास्ता अस्पष्ट हो गया। ट्रम्प का कहना है कि यह समझौता मूल रूप से पिछले अक्टूबर में हुए युद्धविराम समझौते को लागू करने का एक रोडमैप है। बोर्ड ने इसे एक ऐतिहासिक सफलता कहा, और कहा कि पहली बार हमास ने अपने सभी हथियारों को त्यागने की एक व्यावहारिक योजना के लिए प्रतिबद्धता जताई है, जिसके बाद इजरायल की वापसी होगी।

योजना के तहत, हमास आठ महीने की अवधि में धीरे–धीरे अपने हथियार गाजा के प्रशासन के लिए राष्ट्रीय समिति को सौंपेगा, जो कि फिलिस्तीनी तकनीकी विशेषज्ञों का एक पैनल है जिसकी देखरेख बोर्ड ऑफ पीस करता है। इसमें पुलिस के हथियार सबसे पहले और व्यक्तिगत हथियार सबसे अंत में सौंपे जाएंगे। जैसे ही निशस्त्रीकरण पूरा होगा, इजरायली बलों को पीछे हटना होगा, और गाजा को सुरक्षित करने के लिए एक नए फिलिस्तीनी पुलिस बल के साथ एक अंतरराष्ट्रीय स्थिरता बल (आईएसएफ) काम करेगा। ट्रम्प ने एक ऐसी फिलिस्तीनी सरकार का वर्णन किया जो श्फिलिस्तीनी लोगों की मदद के लिए बोर्ड ऑफ पीस के साथ मिलकर काम करेगी, भले ही क्षेत्रीय अधिकारियों ने नोट किया कि फिलिस्तीनी प्राधिकरण को उन्हें एकीकृत करने पर विचार करने से पहले सुधार करने की आवश्यकता है। महत्वपूर्ण रूप से, भूगोल विवादित है। समझौते में परिकल्पना की गई है कि आईडीएफ तुरंत श्येलो लाइन्य पर वापस लौट आएगी जिसने गाजा को मोटे तौर पर पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में विभाजित किया था– लेकिन नेतन्याहू ने मूल युद्धविराम का उल्लंघन करते हुए पहले सेना को पट्टी के 70 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा करने का आदेश दिया था, जिससे उस समय एन्क्लेव के 53 प्रतिशत हिस्से पर इजराययल का नियंत्रण था। इजरायल ने तब से अपनी उपस्थिति को 60 प्रतिशत से अधिक तक बढ़ा दिया है, एक ऐसा उल्लंघन जिसे श्बोर्ड ऑफ पीसश ने नजरअंदाज कर दिया क्योंकि वह हमास को निशस्त्रीकरण शर्तों को स्वीकार करने के लिए राजी करने में जुटा था। इजरायल के प्रधानमंत्री के लिए, यह समझौता कूटनीतिक उपहार से कम और एक राजनीतिक जाल अधिक है। इजरायल में घरेलू प्रतिक्रिया त्वरित थी। पूर्व सैन्य प्रमुख और नेतन्याहू के प्रतिद्वंद्वी गाडी ईसेनकोट ने प्रधानमंत्री पर श्युद्ध के उद्देश्यों को प्राप्त किए बिना आत्मसमर्पणश करने का आरोप लगाया। नेतन्याहू की चुनावी स्थिति 27 अक्टूबर को होने वाले चुनावों से पहले किसी भी दृश्यमान रियायत को असंभव बनाती है, जबकि उनके सुदूर–दक्षिणपंथी गठबंधन सहयोगियों ने लंबे समय से धमकी दी है कि यदि हमास के पूर्ण विनाश के बिना युद्ध समाप्त होता है तो वे सरकार से अलग हो जाएंगे। हमास के लिए भी गणित उतना ही जटिल है। वरिष्ठ अधिकारी गाजी हमद ने सीएनएन से पुष्टि की कि समूह अपने हथियार सौंपने पर सहमत हो गया है, जो एक अंतरराष्ट्रीय स्थिरता बल की तैनाती पर निर्भर है। फिर भी, समूह ने वास्तव में व्यवहार में पीछे हटने का विरोध किया है। युद्धविराम शुरू होने के बाद से हमास ने गाजा की सड़कों पर अपने सुरक्षा बलों को धीरे–धीरे फिर से तैनात किया है, जिसमें 30 से अधिक लोगों की हत्या कर दी गई जिन्हें उसने एक गिरोह के सदस्य बताया था। इसके बाद अमेरिकी सेना के सेंटकॉम ने सार्वजनिक रूप से मांग की कि हमास निर्दोष फिलिस्तीनी नागरिकों पर हिंसा और गोलीबारी को तुरंत निलंबित करे और बिना किसी देरी के हथियार डाले। कूटनीतिक रूप से, इस सौदे को क्षेत्रीय समर्थन के साथ सावधानीपूर्वक तैयार किया गया था। बोर्ड ऑफ पीस के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने क्षेत्र के सभी देशों– जॉर्डन, सऊदी अरब, कतर, अमीरात और अन्य से परामर्श किया था, और कार्यान्वयन को एक क्षेत्रीय प्रयास बताया। यूरोपीय प्रतिक्रिया नपी–तुली आशावादिता वाली रही है, यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने प्रस्तावित सौदे को, यदि पूरी तरह से लागू किया जाता है, एक रचनात्मक कदम कहा, जबकि यूके के विदेश सचिव एड मिलिबैंड ने निशस्त्रीकरण की घोषणा का स्वागत किया और इजरायली वापसी तथा अप्रतिबंधित मानवीय पहुंच सहित 20–सूत्रीय योजना के पूर्ण कार्यान्वयन का आह्वान किया। फिर भी, आसपास का सुरक्षा परिदृश्य किसी भी क्षेत्रीय शांति की भावना को कमजोर करता है। इस क्षेत्र के लिए परीक्षा यह है कि क्या अरब देश– मिस्र, कतर, तुर्की, जॉर्डन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात–बोर्ड ऑफ पीस के अपने सतर्क समर्थन को गाजा के लिए एक टिकाऊ शासन और पुनर्निर्माण संरचना में बदल सकते हैं, यदि हमास के हथियार वास्तव में हट जाते हैं। पुनर्निर्माण का वह प्रयास, जो कथित तौर पर अरबों डॉलर का है, निशस्त्रीकरण विवाद के कारण रुका हुआ है। वास्तविक कार्यान्वयन के बिना, सबसे संभावित परिणाम स्थायी शांति नहीं बल्कि एक और नाजुक ठहराव है– एक ऐसे संघर्ष का एक और अध्याय जो वर्षों से युद्धविराम, टूटने और नए युद्धों के चक्र से गुजर रहा है, जिसमें गाजा के दो मिलियन निवासियों को एक बार फिर यह आकलन करने के लिए छोड़ दिया गया है कि क्या अंत का यह वादा वास्तविक है।

बदलाव की राजनीति का शंखनाद

जनता ने बदलाव की राजनीति का शंखनाद कर दिया है, यह वक्तव्य दतिया की जनता के लिए मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दिया है। लेकिन देखा जाए तो यह देशव्यापी स्तर पर भी सटीक बैठ रहा है। मध्यप्रदेश, गुजरात और बिहार तीनों भाजपाशासित राज्यों में एक–एक विधानसभा सीट पर उपचुनाव हुए, जिनमें भाजपा केवल गुजरात की सीट बचा पाई, जबकि मध्यप्रदेश और बिहार में उसे बड़ा झटका मिला है। इन सीटों की हार या जीत से मध्यप्रदेश, गुजरात या बिहार की मौजूदा सत्ता पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन ये नतीजे राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माने जा रहे हैं। भाजपा को तीनों सीटों पर अपनी जीत का इतना यकीन था कि उसने पहले से मिठाई बंटवाने का इंतजाम कर लिया था। बिहार की बांकीपुर सीट पर जीत का जश्न मनाने के लिए दो सौ किलो लड्डू बनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तैर रहा है। अब जीत के लिए बने इन लड्डुओं को विजेता बन कर उभरे प्रशांत किशोर के साथ क्या भाजपा साझा करेगी, ये उलझाने वाला सवाल बिहार में खड़ा हो चुका है। दरअसल बांकीपुर पर हार या जीत को केवल जनादेश कहकर इसका विश्लेषण खत्म नहीं किया जा सकता, क्योंकि इस सीट पर ढेर सारे किंतु–परंतु चस्पां हैं। बांकीपुर भाजपा के लिए पार्टी के तौर पर तो प्रतिष्ठा का सवाल थी ही, क्योंकि बिहार में सम्राट चौधरी को भाजपा ने मुख्यमंत्री बनाया, पहली बार सत्ता पर सीधे भाजपा की पकड़ बनी। इसके लिए नीतीश कुमार से वादाखिलाफी करके उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने के लिए मजबूर किया गया और

20 सालों की उनकी सत्ता का हासिल आखिर में राज्यसभा सीट बना दिया गया। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री रहते पहली बार उपचुनाव हुए और उसमें बड़ी हार मिली तो यह निश्चित तौर पर भाजपा के लिए झटका है, लेकिन उससे बड़ा झटका यह है कि बांकीपुर सीट नितिन नबीन के राज्यसभा में जाने के कारण खाली हुई थी। भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने के बाद नितिन नबीन को विधानसभा छोड़कर राज्यसभा में जाने कहा गया और अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठने के बावजूद उन्हें भाजपा के असली आकाओं का यह फरमान मानना पड़ा। नरेन्द्र मोदी ने नितिन नबीन को अध्यक्ष की कुर्सी पर बिठाकर फूल–मालाएं पहनाकर उन्हें अपना बॉस बताया था। लेकिन बॉस की सीट बचाने की कोई कोशिश न नरेन्द्र मोदी ने की, न अमित शाह ने की, तो यह संशय उपजता है कि आखिर इनकी पॉलिटिक्स क्या है। क्या जानबूझकर नितिन नबीन की पारंपरिक सीट को हारा गया है, क्योंकि बांकीपुर की सोशल इंजीनियरिंग भी भाजपा के ही फायदे की ही है। यहां सवर्ण मतदाताओं की संख्या अल्पसंख्यकों और पिछड़ों से ज्यादा है। जुलाई महीने में नितिन नबीन चार–चार बार बांकीपुर आए, ताकि प्रचार अच्छे से हो सके। लेकिन इससे पहले इस सीट पर नामांकन से ठीक पहले भाजपा के प्रत्याशी बने अभिषेक बंटी ने नाम वापस लिया और फिर उनकी जगह नीरज सिन्हा को उम्मीदवार बनाया गया। हालांकि प्रत्याशी के नाम से ज्यादा नितिन नबीन के नाम पर चुनाव लड़ा गया, क्योंकि पहले पांच बार नितिन नबीन और उससे पहले चार बार उनके पिता इस सीट से विधायक बनते रहे। 30 सालों तक बांकीपुर सीट भाजपा के पास रही और अब जनसुराज पार्टी के प्रशांत किशोर के पास चली गई है। चुनावी रणनीति बनाते–बनाते प्रशांत किशोर इस बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जनसुराज पार्टी बनाकर खुद चुनावी राजनीति में आ गए थे। उन्होंने खुद किसी सीट पर चुनाव नहीं लड़ा था, लेकिन उनके प्रत्याशी जितनी सीटों पर खड़े हुए, सब जगह उन्हें हार मिली थी। मगर अब बिहार विधानसभा में एक विधायक जनसुराज पार्टी का भी रहेगा। देखना ये है कि प्रशांत किशोर भाजपा की आवाज मजबूत करते दिखेंगे या विपक्ष की। क्योंकि उन्होंने इस जीत के बाद कहा है कि श्यह विधायक बनाने का उपचुनाव नहीं है। बल्कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को संदेश देने का चुनाव है कि बिहार में किसी अच्छे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाइए। किसी अपराधी या गलत चरित्र वाले नेता को मुख्यमंत्री मत बनाइए।य बांकीपुर के लोगों ने यह संदेश दे दिया है।

प्रशांत किशोर ने कहा कि अब भाजपा के नेतृत्व की जिम्मेदारी है कि सम्राट चौधरी को हटाकर ऐसे नेता को मुख्यमंत्री बनाए, जो बिहार में रोजगार लाए, शिक्षा की स्थिति सुधारे, भ्रष्टाचार और पलायन को बंद कर सके। उन्होंने सम्राट चौधरी पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया हुआ है जिनका चरित्र आपराधिक है। बहरहाल, प्रशांत किशोर की राजनीति का खुलासा भी जनता के सामने हो ही जाएगा। लेकिन भाजपा को सही मायने में हार मिली है मध्यप्रदेश में।

लघु कथा — उतरन

दरवाजा खटका और देखा बाहर गेट पर कामवाली बाई मिठाई का डिब्बा लिए खड़ी थी और मालकिन के दरवाजा खोलते ही मिठाई का डिब्बा देते हुए बोल पड़ी श्मालकिन लाली का फोटो समाचार पत्र में निकला है, वह क्या है टाप किया है न लाली ने.... और दूरदर्शन से भी इंटरव्यूह आएगा उसका।श श्वाहहहह बहुत बहुत बधाई तुमको, और लो सबसे पहले तुम मिठाई खाओश और डिब्बा खोलते ही सीमा ने कामवाली के मुँह मे मिठाई खिला दी। श्और आपकी सोमू बिटिया भी तो पास हो गयी होगी, आप भी मिठाई खाओ मालकिनश मिठाई खिलाते हुए और खुशी से गुनगुनाते हुए रसोई की ओर चली गयी। सीमा ने एक हल्की मुस्कान के साथ मुह हिला दिया, सच पूछो तो वह बहुत दुखी थी हाईस्कूल में यह उसका दूसरा साल था और पूरानी किताबें कामवाली की बच्ची को दे दी थी जिसे पढ़कर उस लाली ने टाप किया था और सोमू का रिजल्ट अभी भी मन को खुश करने वाला नहीं था जबकि इसी टाप करने के सपने देखने के कारण माँ बाप ने सोमू की पढ़ाई में कोई कसर नहीं छोड़ी थी न किताबों में और न कोचिंग में और न आधुनिक उपकरणों में, ऐ. सी. लैपटाप सब कुछ तो था उसके पास। लेकिन इस गरीब की बच्ची ने उस फटी हुई किताबों की उतरन से ही सीरत सवार ली।

रचना सक्सेना, प्रयागराज

जब संसद खामोश हो जाती है, तो शुरु होती है कैमरे पर राजनीति

के रवींद्रन

भारत की राजनीतिक बातचीत का एक नया ठिकाना बनता दिख रहा है। अब यह सिर्फ संसद भवन, पार्टी मुख्यालय, चुनावी रैलियों या टीवी स्टूडियो तक सीमित नहीं है। अब अक्सर इसकी शुरुआत मोबाइल फोन को सही एंगल पर रखकर, सोच–समझकर चुने गए बैकग्राउंड और कैमरे में देखकर सीधे लोगों से बात करने के जाने–पहचाने निर्देशन के साथ होती है। यह बदलाव तब साफ तौर पर दिखाई देने लगा जब विरोध–प्रदर्शन, नारेबाजी, सदन की कार्यवाही स्थगित होने और गुस्से के आपसी प्रदर्शनों के कारण संसद की कार्यवाही बार–बार बाधित होने लगी। सदस्य भले ही सदन में आएं, रजिस्टर पर साइन करें और अपनी तय सीटों पर बैठें, लेकिन वे जनता तक जो संदेश पहुंचाना चाहते हैं, वह अक्सर कहीं और दिया जाता है। जब तक संसद शांत होती है– अगर कभी होती भी है– तब तक मंत्री और विपक्ष के नेता इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब या एक्स पर अपनी बात रख चुके होते हैं। यह सिर्फ तकनीक में बदलाव नहीं है। यह राजनीतिक बातचीत का एक नया तरीका है। पारंपरिक रूप से संसद में अध्यक्ष को संबोधित करना, प्रक्रिया के नियमों का पालन करना, रुकावटों का सामना करना और तुरंत चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहना पड़ता था। सोशल मीडिया ज्यादा सुविधाजनक व्यवस्था देता है। राजनेता देश के प्रतिनिधियों का सामना किए बिना सीधे देश को संबोधित करता है। इसमें न तो श्पॉइंट ऑफ ऑर्डरश होता है, न ही पूरक सवाल होते हैं और न ही विपक्षी बेंच से कोई सदस्य दस्तावेज लेकर खड़ा होता है। जो नेता कार्यवाही से दूर रहते हैं– चाहे विरोध के कारण या सदन स्थगित होने के कारण – वे भी सार्वजनिक जीवन में सक्रिय बने रह सकते हैं। संसद में न होने का मतलब अब राजनीति से दूर होना नहीं है। कोई नेता सुबह सदन का बहिष्कार कर सकता है, दोपहर में वीडियो रिकॉर्ड कर सकता है और रात के खाने से पहले राष्ट्रीय स्तर पर उसे चला कर सकता है। लोकतंत्र ने श्रिमोट वर्किंग्यश का तरीका अपना लिया है। इसका सबसे सटीक उदाहरण तब देखने को मिला जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परीक्षा में विफलता, पेपर लीक और भर्ती प्रणालियों की विश्वसनीयता को लेकर युवाओं के गुस्से से पैदा हुए राजनीतिक और भावनात्मक हालात पर प्रतिक्रिया देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। ऐसे विषय पर मोदी का सीधा दखल इसलिए खास था क्योंकि यह असामान्य था। प्रधानमंत्री दुनिया के सबसे अनुभवी राजनीतिक संदेशदाताओं में से एक हैं और उन्होंने बहुत बड़ी संख्या में डिजिटल फॉलोवर बनाये हैं। फिर भी, उनका ज्यादातर संदेश औपचारिक भाषणों, तय ब्रॉडकास्ट, सार्वजनिक कार्यक्रमों और बहुत सोच–समझकर तैयार किए गए संदेशों के जरिए होता है। सड़क पर हो रहे विरोध प्रदर्शन के पीछे की चिंताओं को संबोधित करने वाला एक वीडियो, इसकी तुलना में काफी अनौपचारिक और बातचीत जैसा लगा। यह प्रस्तुति इतनी अप्रत्याशित थी कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और प्लेटफॉर्म मॉडरेशन सिस्टम एक तरह के तकनीकी संकट में फंसते हुए दिखे। जो सिस्टम नकली पहचान और हेरफेर किए गए राजनीतिक कंटेंट का पता लगाने के लिए बनाए गए थे, उनके सामने एक असली वीडियो आया जो बड़ी मात्रा में फैल रहे सिंथेटिक कंटेंट की तुलना में कम परिचित लग रहा था। इस घटना में एक दिलचस्प बात यह भी थी कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने राजनीतिक सच्चाई के इतने सारे बनावटी रूप देखे थे कि असलियत ही संदिग्ध लगने लगी थी। नतीजतन, मेटा के भारत के नेतृत्व को कंटेंट मॉडरेशन और राजनीतिक वीडियो को संभालने के तरीके को लेकर जांच का सामना करना पड़ा। इससे पहले से ही गंभीर विवाद में एक और अजीब पहलू जुड़ गया था। सरकार एक निजी ग्लोबल प्लेटफॉर्म के जरिए युवा नागरिकों से बात करने की कोशिश कर रही थी, प्लेटफॉर्म के ऑटोमेटेड सिस्टम यह तय करने की कोशिश कर रहे थे कि क्या असली है, और इसके अधिकारियों से यह बताने के लिए कहा जा रहा था कि डिजिटल गेटकीपर ने सरकार के चुने हुए प्रमुख के संदेश को गलत तरीके से क्यों संभाला। यह घटना भविष्य की जटिलताओं की एक झलक दिखाती है। राजनीतिक वैधता कभी मुख्य रूप से वोटों, संसदीय संख्या और संवैधानिक पद पर निर्भर करती थी। अब इसे उन एल्गोरिदम से भी गुजरना पड़ता है जो कंटेंट को क्लासिफाई, रिकमेंड, प्रतिबंधित, लेबल या हटाते हैं। हो सकता है कि किसी प्रधानमंत्री के पास संसदीय बहुमत हो, फिर भी उन्हें कुछ समय के लिए ऐसे कंटेंट–फिल्टरिंग सिस्टम के फैसले को मानना पड़ सकता है जिसने कभी कोई चुनाव नहीं लड़ा हो। कॉकरोच जनता पार्टी आंदोलन के संस्थापक अभिजीत दिपके ने उसी भाषा में जवाब दिया जिसने युवा आंदोलन को राजनीतिक रूप से मजबूत बनाया है, बेबाकी और मजाकिया अंदाज। उन्होंने वीडियो में मोदी के लुक पर टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की त्वचा तो देश के हालात से ज्यादा चमकती हुई लग रही थी। यह बात मजाकिया, व्यक्तिगत और सोशल मीडिया पर शेयर किए जाने के लिए एकदम सही थी। यह विरोध प्रदर्शन की एक व्यापक विशेषता को भी दिखाता है। वीडियो कम्युनिकेशन की बढ़ती पसंद यह भी दिखाती है कि लगातार राजनीतिक स्पष्टीकरण के मंच के तौर पर संसद की उपयोगिता कम हो रही है। जब कार्यवाही बार–बार बाधित होती है, तो हर पार्टी के पास घटनाओं का अपना वर्णन तैयार करने का कारण होता है। सरकार कहती है कि विपक्ष ने बहस नहीं होने दी। विपक्ष कहता है कि सरकार ने जवाबदेही से बचने की कोशिश की। फिर दोनों अपने–अपने पक्ष के समर्थन में सुबूत अपलोड करते हैं। नतीजा एक राष्ट्रीय बातचीत नहीं, बल्कि कई समानांतर प्रसारण होते हैं। संसद को असहमति को एक साझा मंच पर लाने के लिए बनाया गया था। सोशल मीडिया हर राजनीतिक समूह को अपना मंच बनाने, विजिटर्स गैलरी को समर्थकों से भरने और बहस के असहज होने पर कमेंट्स बंद करने की सुविधा देता है। इस सीधे रास्ते के लोकतांत्रिक फायदे हैं। जनता से बातचीत को सिर्फ नौकरशाहों और वकीलों की समझ में आने वाली भाषा में लिखे सरकारी बयानों तक सीमित रहने की जरूरत नहीं है। कैमरे के सामने साफ–साफ बात करने वाला मंत्री तीन मिनट में उतना समझा सकता है जितना कोई विभागीय प्रेस रिलीज छह पन्नों में भी नहीं कर पाती। लेकिन सीधा कम्युनिकेशन तब समस्या बन जाता है जब यह जवाबदेह कम्युनिकेशन की जगह ले लेता है। वीडियो एक बयान है, बहस नहीं। यह बोलने वाले को सवाल चुनने, जवाब एडिट करने और भावनात्मक माहौल को नियंत्रित करने की सुविधा देता है। संसद, अपनी सबसे अच्छी स्थिति में, ठीक इसके उलट हालात देती है। यह सत्ता को रुकावट, विरोध और बिना स्क्रिप्ट वाले दबाव का सामना करने के लिए मजबूर करती है।

दायरा से पहले करीना के इन दमदार रोल्स पर डालिए एक नजर

दो दशकों से अधिक लंबे करियर में करीना कपूर खान ने जहां एक ओर कई सुपरहिट कमर्शियल फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन किया, वहीं दूसरी ओर अपने दमदार और संवेदनशील अभिनय से खुद को एक बेहतरीन कलाकार के रूप में भी स्थापित किया। उनकी सहज स्क्रीन प्रेजेंस और यादगार किरदारों के बीच कई ऐसे रोल भी रहे, जिनमें उन्होंने भावनात्मक गहराई, संयम और जटिलता को बेहद प्रभावशाली ढंग से पर्दे पर उतारा। अब मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी फिल्म दायरा में करीना पहली बार एक महिला डीसीपी की भूमिका निभाने जा रही हैं। यह फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज से पहले आइए जानते हैं करीना कपूर खान के पांच ऐसे यादगार किरदार, जिन्होंने उनके अभिनय की शानदार रेंज को साबित किया।

लाल सिंह चड्ढा (2022) रूपा डिसूजा

श्लाल सिंह चड्ढाश में रूपा के किरदार के जरिए करीना कपूर खान ने अपने करियर की सबसे संयमित और प्रभावशाली परफॉर्मेंस में से एक दी। बचपन के प्यार से लेकर जीवन के संघर्षों और कठिन फैसलों तक, रूपा के दर्द, महत्वाकांक्षा और भावनात्मक टूटन को उन्होंने बेहद सहजता से निभाया। उनका अभिनय फिल्म की भावनात्मक ताकत बनकर उभरा।

उड़ता पंजाब (2016) डॉ. प्रीत साहनी

उड़ता पंजाब में डॉ. प्रीत साहनी का किरदार भले ही सीमित स्क्रीन टाइम वाला था, लेकिन कहानी का नैतिक केंद्र वही थीं। पंजाब में फैले ड्रग्स संकट के खिलाफ लड़ने वाली एक संवेदनशील डॉक्टर के रूप में करीना ने शांत लेकिन प्रभावशाली अभिनय किया। उन्होंने साबित किया कि असरदार परफॉर्मेंस के लिए लंबे स्क्रीन टाइम की नहीं, बल्कि मजबूत अभिनय की जरूरत होती है।

तलाश (2012) रोजी

तलाश में रोजी के रूप में करीना कपूर खान ने रहस्य और संवेदनशीलता का शानदार संतुलन पेश किया। फिल्म के अंत तक उनका किरदार कई परतों में खुलता है और पूरी कहानी को भावनात्मक गहराई देता है। उनकी रहस्यमयी मौजूदगी आज भी उनके सबसे यादगार किरदारों में गिनी जाती है।

चमेली (2004) चमेली

चमेली करीना कपूर खान के करियर का टर्निंग प्वाइंट मानी जाती है। मुंबई की एक सेक्स वर्कर के किरदार में उन्होंने ग्लैमर से बिल्कुल अलग हटकर अभिनय किया। इस भूमिका में उन्होंने संवेदनशीलता, आत्मविश्वास, हास्य और संघर्ष को जिस तरह पर्दे पर उतारा, उसने उन्हें एक गंभीर और प्रयोगधर्मी अभिनेत्री के रूप में स्थापित कर दिया।

दायरा से फिर दिखेगा अभिनय का नया रंग

अब दायरा में करीना कपूर खान एक महिला डीसीपी की भूमिका निभाते हुए जांच, नैतिकता और सच्चाई से जुड़े एक गंभीर कथानक का हिस्सा बनेंगी। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी यह फिल्म करीना की प्रदर्शन–प्रधान फिल्मों की सूची में एक और मजबूत अध्याय जोड़ने की उम्मीद जगाती है। जंगली पिक्चर्स और पेन स्टूडियोज द्वारा निर्मित तथा पेन मरुधर द्वारा वितरित श्दायराश 18 सितंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

निकिता रावल ने उठाए रणबीर के 'राम' बनने पर सवाल, बीफ बयान पर बोलीं– 'लोगों की भावनाओं..'

अभिनेता रणबीर कपूर, नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' में राम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म दिवाली 2026 पर रिलीज होने जा रही है पर इससे पहले ही रणबीर का नाम चर्चा में हैं। कई सोशल मीडिया यूजर्स रणबीर को उनके एक पुराने बयान पर ट्रोल कर रहे हैं। वहीं अभिनेत्री निकिता रावल ने भी भगवान राम जैसे आदर्श व्यक्तित्व के रोल में रणबीर कपूर की कास्टिंग को लेकर सवाल खड़े किए हैं। एक्ट्रेस निकिता रावल ने मामले पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि फिल्म 'रामायण' में राम के किरदार के लिए अभिनेता रणबीर कपूर सही विकल्प नहीं हैं क्योंकि उन्होंने एक पुराने इंटरव्यू में बीफ खाने की बात स्वीकारी थी। बॉलीवुड मस्कट को दिए इंटरव्यू में निकिता बोलीं, 'उन्होंने लाखों लोगों को भावनाओं के साथ खेला है। सीधा बोल रहे हैं कि मैं बीफ खाता हूं। फिर वही श्री राम का किरदार निभा रहे हैं। वो क्या मैसेज देंगे, मुझे लगता है कि उनका बॉयकॉट होना चाहिए। मैं ये #boycottranbirkapoor चलाती रहूंगी।' अपनी बातचीत को आगे बढ़ाते हुए निकिता ने कहा, 'अगर रणबीर को लगता है कि उनसे गलती हुई है। इस किरदार को निभाने के पहले उन्होंने लोगों को बीफ वाले बयान से जो दुख पहुंचाया है उसके लिए मांफी मांगें। कह दें कि गलती हुई है। हम सभी में माफ कर देने की भावना है। यह भारत है, यहां लोगों को माफ कर दिया जाता है। बता दें कि अभिनेता रणबीर कपूर ने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें बीफ खाना पसंद है। उनका यह वीडियो बीते कई वर्षों से वायरल है। मगर एक्टर के राम का किरदार निभाने के बाद एक बार फिर इस बयान का विरोध किया जाने लगा। फिलहाल रणबीर ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है। उनकी तरफ से मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। फिल्म श्रामायणश मेगा बजट फिल्म है, जिसे करीब 4000 करोड़ रुपये की लागत के साथ बनाया जा रहा है। रणबीर कपूर इसमें भगवान राम की भूमिका अदा कर रहे हैं, वहीं साई पल्लवी को माता सीता के रोल में देखा जाएगा। यश रावण का किरदार निभाते दिखेंगे और सनी देओल प्रभु हनुमान की भूमिका में होंगे। फिल्म में रकुल प्रीत सिंह, कुणाल कपूर, लारा दत्ता, अरुण गोविल और शीबा चड्ढा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। दो हिस्सों में रिलीज होने वाली इस फिल्म का पहला भाग इस साल दिवाली पर रिलीज होगा।

खुशबू सुंदर ने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार चयन की प्रक्रिया पर उठाए सवाल, बोलीं– दूसरों की तरह मुझे भी संदेह है

> उन्होंने सवाल उठाया कि क्या छोटी क्षेत्रीय इंडस्ट्रीज की बेहतरीन फिल्मों को भी बड़ी इंडस्ट्री की फिल्मों जितना ही महत्व दिया जाता है? उन्होंने कहा, अगर वे एक फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार दे रहे हैं, तो हो सकता है कि एक उड़िया फिल्म भी उससे बेहतर हो।

फिल्म रायन के बेस्ट तमिल फिल्म का अवॉर्ड जीतने पर विवाद छिड़ा है। तमाम लोग आलोचना कर रहे हैं। इस बीच अभिनेत्री–राजनेता खुशबू सुंदर ने सवाल उठाया है कि नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की जूरी कैसे बनती है? और फिल्मों को कैसे परखा जाता है? उनके इस बयान ने इस बड़ी बहस को और हवा दे दी है कि क्या अलग–अलग भाषाओं की क्षेत्रीय फिल्मों को बराबर अहमियत मिलती है? खुशबू ने बिहाइंडवुड्स के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि अवॉर्ड्स को लेकर जो शक हैं, वे सिर्फ उनके नहीं हैं। उन्होंने पूछा, दूसरों की तरह मुझे भी शक है। नेशनल अवॉर्ड्स किस आधार पर दिए जा रहे हैं? सिलेक्शन कमिटी या जूरी किस आधार पर बनाई जाती है? अभिनेत्री ने साफ किया कि उनकी चिंता अवॉर्ड देने की प्रक्रिया को लेकर थी, न कि किसी खास फिल्ममेकर या फिल्म के बारे में। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या छोटी क्षेत्रीय इंडस्ट्रीज की बेहतरीन फिल्मों को भी बड़ी इंडस्ट्री की फिल्मों जितना ही महत्व दिया जाता है? उन्होंने कहा, अगर वे एक फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार दे रहे हैं, तो हो सकता है कि एक उड़िया फिल्म भी उससे बेहतर हो। इसके बजाय उड़िया फिल्म क्यों नहीं जीती? जब एक गुजराती फिल्म शानदार है, तो उसे संपूर्ण मनोरंजन पुरस्कार क्यों नहीं दिया जाता है? यह हमेशा हिंदी फिल्मों को ही क्यों दिया जाता है, क्षेत्रीय फिल्मों को क्यों नहीं?

खुशबू ने यह भी माना कि उन्हें इस पर भी हैरानी है कि क्या जूरी कुछ फिल्मों की लोकप्रियता या उनके बारे में लोगों की आम राय से प्रभावित हो सकती है। हालांकि, उन्होंने जूरी सदस्यों पर किसी भी तरह की गड़बड़ी का आरोप नहीं लगाया। उन्होंने कहा, कभी–कभी मुझे लगता है कि जूरी सदस्य किसी वेव या आम सोच में बह जाते हैं कि साल की सबसे बड़ी फिल्म कौन सी थी? लेकिन मुझे नहीं लगता कि सलेक्शन कमिटी के मामले में कोई अस्पष्टता या संदेह की गुंजाइश है। खुशबू की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब श्रायनश के राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर लोगों की अलग–अलग राय है। धनुष निर्देशित फिल्म को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म अनाउंस किया गया था। दर्शकों के एक वर्ग का तर्क था कि मियाझागन, अमरन और महाराजा जैसी फिल्में इस सम्मान के लिए अधिक मजबूत दावेदार थीं। वहीं, कुछ लोगों ने फैसले का स्वागत किया। तमिल फिल्म इंडस्ट्री के लोगों का भी समर्थन मिला। म्यूजिक कंपोजर डी. इम्मान ने इस सम्मान का समर्थन करते हुए इसे तमिल लोगों की जीत बताया और दर्शकों से इसकी कामयाबी का जश्न मनाने की अपील की।

नौ बार निभाया राम का किरदार, गांधी जी ने भी देखी थी फिल्म 'राम राज्य', हैमरेज से हुआ था इस अभिनेता का निधन

नितेश तिवारी ने फिल्म 'रामायण' के ट्रेलर लॉन्च पर कहा था कि वह रणबीर कपूर के अलावा भगवान राम की भूमिका में किसी दूसरे एक्टर के बारे में सोच भी नहीं सकते थे। जहां तक दर्शकों की बात है तो उनके मन में भगवान राम की छवि अभी भी अभिनेता अरुण गोविल के चेहरे के तौर पर बसी है। मगर क्या आप जानते हैं कि अरुण गोविल से पहले एक और बॉलीवुड अभिनेता थे, जो भगवान राम का किरदार निभाकर मशहूर हुए थे। उन्होंने बड़े पर्दे पर नौ बार भगवान राम की भूमिका निभाई। यहां जानिए उस चर्चित अभिनेता के बारे में। भगवान राम के जीवन पर बॉलीवुड में कई फिल्में बनी है, जिसमें से नौ फिल्मों में प्रेम अदीब ने प्रभु राम की भूमिका निभाई थी। प्रेम अदीब ने साल 1942 में विजय भट्ट की फिल्म 'भरत मिलापश में सबसे पहले भगवान राम की भूमिका की थी। इसके बाद वह श्राम राज्यश में भी राम के किरदार में नजर आए, इस फिल्म को महात्मा गांधी ने भी देखा था। आगे चलकर प्रेम अदीब 'रामबाण', 'राम विवाह', 'राम नवमी', 'राम हनुमान युद्ध', 'राम लक्ष्मण', 'राम भक्त विभीषण' और 1954 की 'रामायण' जैसी फिल्मों में प्रभु राम के रूप में नजर आए।

गॉर्जियस लुक पाने के लिए इन लेटेस्ट कॉटन साड़ियों को करें कैरी, हर कोई करेगा तारीफ

हर भारतीय महिला को साड़ी पहनना काफी ज्यादा पसंद होता है। यह एक ऐसा परिधान है, जिसे किसी भी पार्टी, फंक्शन, पूजा आदि पर पहना जा सकता है। फैशन के हिसाब से हर बार साड़ी के डिजाइन में भी बदलाव होता रहता है। महिलाएं अक्सर नए डिजाएन और पैटर्न की साड़ी खरीदती हैं। ताकि उनके पास साड़ियों का अच्छा कलेक्शन हो। ऐसे में अगर आप भी साड़ी में खूबसूरत दिखना चाहती हैं, तो आपको प्रिंटेड कॉटन साड़ी पहननी चाहिए। इस तरह की साड़ी आप ऑफिस या इवेंट में पहन सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट कॉटन साड़ी

अगर आप भी कॉटन साड़ी पहनना चाहती हैं, तो आपको इसमें कई अलग–अलग डिजाइन मिल जाएंगी। आप फ्लोरल प्रिंट कॉटन साड़ी के डिजाइन को भी कैरी कर सकती हैं। यह अलग–अलग प्रिंट में आती है, जो देखने में भी काफी खूबसूरत होती है। इस साड़ी को कैरी करने के लिए आपको सिंपल और अच्छा ब्लाउज चाहिए होगा। इसके साथ ही ज्वेलरी और अच्छी फुटवियर से आपका लुक कंप्लीट हो जाएगा। इस लुक को कैरी कर आप ऑफिस भी जा सकती हैं।

पोलका डॉट कॉटन साड़ी

पोलका डॉट डिजाइन में आपको टॉप, ड्रेस, सूट और अब साड़ी में भी मिल जाएगी। इस तरह की कॉटन साड़ी देखने में काफी अच्छी लगती है। जो देखने में तो सिंपल होती है, लेकिन पहनने पर यह काफी खूबसूरत लगती है। आप चाहें तो इसमें छोटे पोलका डॉटस, बड़े और डबल शेड कलर के डॉट वाली डिजाइन भी खरीद सकती हैं। इस तरह की साड़ी को आप किटी पार्टी आद में कैरी कर सकती हैं। इस साड़ी के साथ हाई हील्स और नेकलेस आपके लुक को कंप्लीट करने का काम करेगा। आप चाहें तो इसके साथ एक स्लींग बैग भी कैरी कर सकती हैं।

लहरिया कॉटन साड़ी

वैसे तो लहरिया पैटर्न हर किसी को पसंद होता है। आजकल इस डिजाइन में आपको सूट, साड़ी, लहंगा और ड्रेस आदि भी देखने को मिल जाएंगे। इस पैटर्न की साड़ी या फिर लहंगे लेना लड़कियां ज्यादा पसंद करती हैं। कॉटन साड़ी डिजाइन के लिए आप भी इसे कैरी कर सकती हैं। यह हैवी वर्क और सिंपल वर्क दोनों में मिल जाएगी। इस तरह की कॉटन साड़ियां गर्मियों में सबसे ज्यादा कंफर्टेबल होती हैं।

शाम की चाय का मजा दोगुना करेंगे चॉकलेट चिप्स कुकीज, ट्राई करें ये आसान रेसिपी

चॉकलेट खाना किसे पसंद नहीं? किसी भी चॉकलेट की डिश को बच्चे से लेकर बूढ़े तक बड़े चाव से खाते हैं। वहीं क्रिस्पी चॉकलेटी कुकीज तो चाय का मजा दोगुना कर देती है। अगर आप भी शाम को कुछ मीठा खाना चाहते हैं तो क्रिस्पी चॉकलेटी कुकीज की ये बेहद आसान सी रेसिपी ट्राई कर सकती हैं....

सामग्री

डार्क चॉकलेट चिप्स– 1/3 कप
मक्खन– 1/3 कप
लो कैलोरी स्वीटनर– 1ध्3 कप
वेनिला एसेंस– 1 टी स्पून
मैदा– 1 कप
बेकिंग सोडा– 1/4 टी स्पून
बेकिंग पाउडर– 1/4 टी स्पून
दूध– 2–3 टेबल स्पून

चॉकलेट चिप्स कुकीज बनाने की विधि

1. ओवन को 180 °C पर प्रीहीट करें।

2. एक बाउल में मक्खन और कम कैलोरी वाले स्वीटनर को एक इलेक्ट्रिक बीटर का उपयोग करके लाइट होने तक फेंटें। वेनिला एसेंस डाले और अच्छी तरह मिलाएं।

3. अब मैदा, बेकिंग सोडा और बेकिंग पाउडर को एक साथ अच्छी तरह से मिलाएं। डार्क चॉकलेट चिप्स और दूध डालकर अच्छी तरह से सब कुछ मिलाकर तैयार कर लें।

4. तैयार डो को समान भागों में बांटकर बॉल्स का आकार दें और थोड़ा सपाट करें।

5.इन कुकीज को बेकिंग ट्रे में लगाएं और प्रीहीटेड ओवन में डालें और 10–12 मिनट तक बेक करें।

6. चॉकलेट चिप्स कुकीज तैयार है।

नहीं रहा जाता चॉकलेट के बिना, तो जानिए इसे रोज खाने से शरीर के साथ क्या होता है?

यदि आप चॉकलेट प्रेमी हैं, तो आप इस बात को लेकर भ्रमित हो सकते हैं कि क्या मीठा खाने से शरीर को फायदा होता है या यह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। सीमित मात्रा में सेवन करने पर चॉकलेट कुछ स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकती है। साथ ही, कई चॉकलेट उत्पादों में चीनी, वसा और कैलोरी की मात्रा के कारण अत्यधिक सेवन से कई स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं पैदा हो सकती हैं। चॉकलेट के स्वास्थ्य प्रभावों को समझने से आपको अपने शरीर को नुकसान पहुंचाए बिना समझदारी से इसका आनंद लेने में मदद मिल सकती है।

चॉकलेट किससे बनी होती है?

चॉकलेट मुख्य रूप से कोको बीन्स से बनाई जाती है। इन फलियों को कोको ठोस पदार्थ और कोकोआ मक्खन बनाने के लिए संसाधित किया जाता है। अधिकांश चॉकलेट में चीनी, दूध के ठोस पदार्थ और स्वाद बढ़ाने वाले तत्व भी होते हैं। चॉकलेट कई प्रकार की होती हैं जैसे– डार्क चॉकलेट, मिल्क चॉकलेट, सफेद चॉकलेट। मिल्क चॉकलेट की तुलना में डार्क चॉकलेट में आमतौर पर कोको का प्रतिशत अधिक और चीनी कम होती है। मिल्क चॉकलेट और व्हाइट चॉकलेट में आमतौर पर अधिक मात्रा में चीनी और वसा होती है, जिसका अधिक सेवन करने से कैलोरी की मात्रा बढ़ सकती है।

बहुत अधिक चॉकलेट खाने से क्या होता है?

कभी–कभार चॉकलेट खाने से नुकसान होने की संभावना नहीं है। लेकिन इसका बार–बार या अधिक सेवन शरीर पर कई तरह से असर डाल सकता है। चॉकलेट का स्वास्थ्य पर प्रभाव चॉकलेट की मात्रा, प्रकार और आपके समग्र आहार पर निर्भर करता है। बहुत अधिक चॉकलेट खाने से जुड़ी सबसे आम समस्याओं में से एक है वजन बढ़ना। चीनी और वसा के संयोजन के कारण चॉकलेट उत्पाद अक्सर कैलोरी में उच्च होते हैं। नियमित रूप से बड़ी मात्रा में चॉकलेट का सेवन करने से अतिरिक्त कैलोरी की मात्रा बढ़ सकती है। समय के साथ, यह वजन बढ़ाने और मोटापे के खतरे को बढ़ाने में योगदान दे सकता है। कई चॉकलेट उत्पादों में काफी मात्रा में चीनी होती है। अधिक चीनी के सेवन से कई

पाचन संबंधी परेशानी

बहुत अधिक चॉकलेट खाने से कभी–कभी पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। चॉकलेट में कैफीन और कुछ यौगिक होते हैं जो पाचन को प्रभावित कर सकते हैं। संभावित पाचन लक्षणों में शामिल हैं, एसिड रिफ्लक्स या सीने में जलन, पेट में तकलीफ, सूजन, संवेदनशील व्यक्तियों में पतला मल, संवेदनशील पाचन तंत्र या एसिड रिफ्लक्स जैसी स्थिति वाले लोगों को बड़ी मात्रा में चॉकलेट खाने के बाद लक्षणों का अनुभव अधिक आसानी से हो सकता है। चॉकलेट में थोड़ी मात्रा में कैफीन और थियोब्रोमाइन होता है, जो दोनों तंत्रिका तंत्र को उत्तेजित कर सकते हैं। जब चॉकलेट का अधिक मात्रा में सेवन किया जाता है, खासकर शाम के समय, तो यह नींद में बाधा डाल सकती है।

चॉकलेट खाने के फायदे

डार्क और मिल्क चॉकलेट में कोको ठोस पदार्थ, कोको पौधे के हिस्से होते हैं, हालांकि अलग–अलग मात्रा में। कोको में फ्लेवोनोइड्स–एंटीऑक्सिडेंट होते हैं।

बारिश के मौसम में बढ़ रहा मानसून फ्लू का खतरा, ऐसे करें बच्चे की देखभाल

बारिश शुरू होते ही कई गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। बारिश के मौसम में इन्फेक्शन और डेंगू बुखार जैसी समस्याएं पनपने लगती हैं। वहीं इस दौरान बच्चे भी ज्यादा बीमार पड़ने लगते हैं। बारिश में भीगने से बच्चे फ्लू का शिकार हो जाता है। बता दें कि बच्चों के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण उनके बीमार होने का खतरा ज्यादा बना रहता है। बारिश के मौसम में बच्चों को बीमार होने से बचाने के लिए माता–पिता को विशेष सावधानियां बरतनी चाहिए।

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बारिश के मौसम में बच्चों को मानसून फ्लू से बचाने कुछ टिप्स दे रहे हैं। बारिश के मौसम में मानसून फ्लू के अलावा अन्य बीमारियों का खतरा भी अधिक बढ़ जाता है। इस मौसम में मच्छरों के पनपने से डेंगू–मलेरिया जैसे रोगों का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए बच्चों का इन बीमारियों से बचाव करने के लिए उनका टीकाकरण करवाना बेहद जरूरी होता है। बारिश होने पर बच्चे अक्सर भीगने की जिद करते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को बच्चों को ज्यादा देर तक बारिश में नहीं रहने देना चाहिए। मिट्टी व बारिश में खेलकर आने के बाद बच्चों को साफ पानी से नहलाएं और साफ करें। उनके कपड़ों में धूल–मिट्टी आदि न लगी रहने दें। इस दौरान बच्चों की हाइजीन का विशेष तौर पर ख्याल रखना चाहिए।

इस मौसम में बच्चे को बीमार होने से बचाने के लिए उनकी डाइट पर ध्यान देना चाहिए। बारिश के मौसम में बच्चे को नट्स, हरी सब्जियां और डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन कराना चाहिए। इस मौसम में बाहर के खानपान पर पूरी तरह से रोक लगा देनी चाहिए।

बारिश के मौसम में बच्चों को बिना जरूरत के बाहर जाने से रोकना चाहिए। क्योंकि इस मौसम में बाहर अधिक गंदगी होने के कारण बच्चे के संक्रमित होने का खतरा ज्यादा होता है। बच्चों को हमेशा से आइस्क्रीम और कोल्ड ड्रिंक्स काफी पसंद होती है। लेकिन इस मौसम में और इम्यूनिटी कमजोर होने की वजह से यह सारी चीजें खाने पर उनके बीमार होने की संभावना ज्यादा रहती है। ऐसे में आप इन तरीकों को ध्यान में रखकर और फॉलो कर बारिश के मौसम में बच्चे की सेहत का ध्यान रख सकती हैं। वहीं बच्चे के बीमार पड़ने पर डॉक्टर से संपर्क करें। क्योंकि जरा सी लापरवाही उन्हें ज्यादा बीमार बना सकती है। बच्चे के बीमार पड़ने पर उन्हें दवा देने से पहले डॉक्टर से संपर्क जरूर करें। क्योंकि डॉक्टर ही जांच के बाद बच्चे के लिए बेहतर चीजें बता सकते हैं।

पक्षियों और जानवरों का पेट भरने से चमकेगी सोई हुई किस्मत, जानिए क्या कहता है वास्तु शास्त्र

जैसे इंसान को खाने की जरुत होती ही वैसे ही पक्षियों के लिए भी खाना जरुरी होता है। परंतु इंसान तो भूख लगने पर खुद खाना खा लेता है लेकिन बिचारे पक्षी और जानवर तड़पते रहते हैं। वास्तु शास्त्र की मानें तो पशु–पक्षियों और जानवरों का दाना डालना पुण्य का काम माना जाता है। तो चलिए आज आपको बताते हैं कि कौन से पक्षी को दाना डालना शुभ रहेगा....

गाय को खिलाएं चारा

मान्यताओं के अनुसार, नवग्रहों को शांत करने के लिए गाय की बहुत ही अहम भूमिका बताई गई है। गो माता को चारा खिलाने से लक्ष्मी जी प्रसन्न होकर भक्तों को मानसिक शांति और सुखमय जीवन का वरदान देती हैं। इसके अलावा कुंडली में बुध ग्रह को शांत करने के लिए भी गाय को हरा चारा खिलाना शुभ माना जाता है।

बिल्ली दूर करेगी बैडलक

बिल्ली को खाना खिलाने से व्यक्ति पर किसी भी तरह के जादू का असर कम होता है। इसके अलावा जीवन में राहु के अशुभ प्रभाव के कारण परेशानियां आ रही हैं तो वह भी दूर होती है। बेडलक दूर करने के लिए भी बिल्ली को खाना खिलाना शुभ माना जाता है।

चींटियां लाएंगी सौभाग्य

मान्यताओं के अनुसार, यदि काली चींटियों को चावल में चीनी मिलाकर खिलाएं तो इससे व्यक्ति का सौभाग्य बढ़ता है इसके अलावा परिवार में सुख–शांति और समृद्धि भी बढ़ती है।

पक्षियों को डालें दाना

अच्छे करियर और स्वास्थ्य के लिए पक्षियों को दाना डालना बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इससे कुंडली में राहु–केतू की महादशा भी सुधरती है।

कुत्ते को खिलाएं रोटी

कुत्ता पालने से घर की नेगेटिव एनर्जी दूर होती है और कभी भी घर को बुरी नजर नहीं लगती। इसके अलावा कुत्ते को रोटी खिलाने से शनि दोष, शनि की साढ़ेसाती, शनि ढैय्या भी दूर होती है। इसके अलावा कार्य में आ रही परेशानियां और बाधाएं भी कुत्ते को रोटी खिलाने से दूर होती है।

संक्षिप्त

मोहम्मद इरफान समेत कई पूर्व पाक खिलाड़ियों पर लग सकता है प्रतिबंध, क्या है मामला?

लाहौर,एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अनधिकृत टूर्नामेंट एशियन लीजेंड्स कप में हिस्सा लेने वाले अपने पूर्व खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि इस टूर्नामेंट में खेलने वाले खिलाड़ियों पर दो साल तक पीसीबी और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से जुड़े किसी भी क्रिकेट, कोचिंग या अन्य असाइनमेंट में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। पीसीबी के अनुसार, जाम्बिया के लुसाका में आयोजित एशियन लीजेंड्स कप को न तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मंजूरी प्राप्त थी और न ही जाम्बिया क्रिकेट यूनियन (जेडसीयू) ने इसे स्वीकृति दी थी। ऐसे में इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। बोर्ड के बयान के मुताबिक, दोषी पाए जाने वाले खिलाड़ियों को दो वर्षों तक पीसीबी और पीएसएल से जुड़े किसी भी क्रिकेट, कोचिंग, कंसल्टेंसी, मेंटरिंग या अन्य आधिकारिक असाइनमेंट के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। अनधिकृत लीग में पाकिस्तान पैंथर्स टीम की ओर से खेलने वाले खिलाड़ियों में मोहम्मद इरफान, इमरान नजीर, तौफीक उमर, राहत अली, यासिर शाह, जाहिद महमूद, हसन रजा और इबरार हुसैन शामिल थे। इनमें तौफीक उमर हाल तक पाकिस्तान महिला टीम के बल्लेबाजी कोच भी रह चुके हैं, जबकि अन्य खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट से जुड़े रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, शुरुआत में पाकिस्तान पैंथर्स टीम में कई बड़े पूर्व खिलाड़ियों के नाम शामिल थे, लेकिन टूर्नामेंट के अधिकृत न होने की जानकारी मिलने के बाद मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, वहाब रियाज, सोहेल तनवीर और उमर अकमल ने इसमें हिस्सा नहीं लिया। एशियन लीजेंड्स कप का आयोजन मंगलवार को आयोजकों ने बीच में ही समाप्त कर दिया। इसके बाद पीसीबी ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए कहा कि वह अनधिकृत प्रतियोगिताओं में भागीदारी को गंभीर अनुशासनहीनता मानता है और संबंधित खिलाड़ियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सिर्फ सात विकेट लेते ही स्टार्क बनाएंगे रिकॉर्ड, कपिल देव और डेल स्टेन को छोड़ सकते हैं पीछे

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के पास बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में बड़ा कीर्तिमान अपने नाम करने का मौका होगा। स्टार्क अगर इस सीरीज में सात विकेट लेने में सफल रहते हैं तो वह टेस्ट क्रिकेट में भारत के महान ऑलराउंडर कपिल देव और दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन को विकेटों के मामले में पीछे छोड़ देंगे। स्टार्क ने अब तक टेस्ट क्रिकेट में 433 विकेट लिए हैं। वहीं, कपिल देव के नाम 434 और डेल स्टेन के खाते में 439 टेस्ट विकेट दर्ज हैं। ऐसे में सात विकेट हासिल करते ही स्टार्क दोनों दिग्गजों से आगे निकल जाएंगे। हालांकि, स्टार्क का कहना है कि उनके लिए व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की सफलता मायने रखती है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया का मुख्य लक्ष्य अगले साल ओवल में होने वाले विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अधिक से अधिक अंक जुटाना है। स्टार्क ने आईसीसी से कहा, इसका मतलब है कि मैंने काफी क्रिकेट खेला है। कपिल देव और डेल स्टेन जैसे महान खिलाड़ियों के साथ मेरा नाम जुड़ना सम्मान और विनम्रता की बात है। लेकिन जब आप मैदान पर खेल रहे होते हैं, तब व्यक्तिगत रिकॉर्ड ज्यादा मायने नहीं रखते। आप इतना आगे की नहीं सोचते। ऑस्ट्रेलियाई टीम फिलहाल डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर है। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के साथ टीम के सात महीने के व्यस्त और चुनौतीपूर्ण टेस्ट कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करनी है, जबकि फिर न्यूजीलैंड और भारत के दौरे पर टेस्ट सीरीज खेलनी है। मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में स्टार्क बेहतरीन लय में नजर आए हैं। उन्होंने अब तक आठ टेस्ट मैचों में 46 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज का स्थान हासिल किया है। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ हालिया एशेज सीरीज में उन्होंने 31 विकेट अपने नाम किए थे। 36 वर्षीय स्टार्क ने अपनी लंबी और सफल क्रिकेट यात्रा का श्रेय लगातार खुद में सुधार, फिटनेस पर काम और खेल के अनुरूप रणनीतियों में बदलाव को दिया। उन्होंने कहा, श्जब आप 36 साल के होते हैं और 16 साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे होते हैं, तो आप महसूस करते हैं कि आपने अपने खेल में काफी सुधार किया है। लंबे समय तक टिके रहने के लिए लगातार सीखना, खुद को विकसित करना और बेहतर बनते रहना जरूरी है।

गावस्कर ने द्रविड़ से की अजिंक्य रहाणे की तुलना, बोले- उतना श्रेय नहीं मिला जिसके हकदार थे

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर का कहना है कि अजिंक्य रहाणे को उतना श्रेय नहीं मिला जिसके वह हकदार थे। गावस्कर ने रहाणे की तुलना राहुल द्रविड़ से की जिनकी कप्तानी में भारत ने कुछ शानदार जीत दर्ज की थी। रहाणे ने पिछले हफ्ते क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। रहाणे अक्सर एक शांत स्वभाव के खिलाड़ी रहे हैं जो बिना ज्यादा ध्यान आकर्षित किए अपना काम चुपचाप करते थे। उन्होंने अपनी कप्तानी का लोहा भी मनवाया था और जब विराट कोहली उपलब्ध नहीं होते थे, तो उन्होंने टेस्ट कप्तानी संभाली थी। रहाणे की सबसे बड़ी उपलब्धि 2020–21 की ऐतिहासिक बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी जीत है। एक अखबार के लिए लिखे कॉलम में गावस्कर ने लिखा, एक कप्तान के रूप में रहाणे का रिकॉर्ड असाधारण है, जिसमें छह में से चार जीत और कोई हार शामिल नहीं है। राहुल द्रविड़ की तरह, जिनकी कप्तानी में भी कुछ शानदार जीतें दर्ज हुईं, लेकिन उन्हें कभी वह श्रेय नहीं मिला जिसके वे हकदार थे। रहाणे के नेतृत्व को भी शायद ही वह सराहना मिली जिसके वह पात्र थे। यह भारतीय क्रिकेट की एक आम बात है। जब टीम जीतती है, तो सारा श्रेय व्यक्तिगत प्रदर्शन करने वालों को मिलता है, चाहे वे बल्लेबाज हों या गेंदबाज। लेकिन जब टीम हारती है, तो कप्तान और कोच को दोष दिया जाता है। 2020–21 बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीरीज के शुरुआती मैच में भारत मात्र 36 रन पर आउट हो गया था, जिसके बाद कोहली निजी कारणों के चलते स्वदेश लौट आए थे। इसके बाद मेहमान टीम एक के बाद एक चोटों से जूझती रही, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 0–1 से पिछड़ने के बाद सीरीज 2–1 से अपने नाम कर ली। गावस्कर ने कहा, 2021 की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में 36 रन पर ऑलआउट होने के बाद, रहाणे ने रवि शास्त्री के साथ मिलकर टीम को इस मुश्किल दौर से बाहर निकाला। उन्होंने एक ऐसी डूबती हुई नाव की कमान संभाली जो डूबने के लिए तैयार थी और न केवल इसे मुश्किल से निकाला, बल्कि भारत को ऑस्ट्रेलिया के गढ़ गाबा में एक अभूतपूर्व ऐतिहासिक जीत दिलाई और इसके साथ ही सीरीज पर भी कब्जा किया।

आपने उनसे पानी पिलाने कहा, वैभव सूर्यवंशी को लेकर क्यों भारतीय टीम प्रबंधन पर भड़के मोहम्मद कैफ ?

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के करियर और उनके चयन को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने टीम प्रबंधन के रवैये पर तीखे सवाल उठाए हैं। कैफ का मानना है कि आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन कर ऑरेंज कैप जीतने वाले इस 15 वर्षीय खिलाड़ी के साथ न्याय नहीं किया गया। कैफ का कहना है कि टीम प्रबंधन को आयरलैंड दौरे पर ही वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का मौका देना चाहिए था। वैभव को आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में प्लेइंग–11 में मौका नहीं दिया गया था। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया। हालांकि, इंग्लैंड में वैभव का बल्ला ज्यादा नहीं चला। लेकिन उन्होंने इससे सीख लेकर जिम्बाब्वे दौरे पर अपने दम दिखाया और वह प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए। वैभव यह अवॉर्ड हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज हैं। अपने यूट्यूब चौनल पर बात करते हुए मोहम्मद कैफ ने टीम मैनेजमेंट पर निशाना साधते हुए कहा, यह बेहद हैरान करने वाला है कि इतनी शानदार फॉर्म में होने के बावजूद वैभव को तुरंत मौका देने के बजाय पानी पिलाने के लिए कहा गया। यदि उन्हें आयरलैंड दौरे पर खिलाया जाता, तो उनकी शुरुआती घबराहट खत्म हो जाती और वह इंग्लैंड की मुश्किल परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन कर पाते। कैफ ने इंग्लैंड दौरे पर शुरुआती असफलताओं के बाद उन्हें तुरंत टीम से बाहर किए जाने के फैसले की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, वैभव को जोफ्रा आर्चर जैसी खतरनाक गेंदबाजी का सामना करना पड़ा और उनका अंतरराष्ट्रीय सफर अनावश्यक रूप से कठिन बना दिया गया। एक खास और एक्स फैक्टर प्रतिभा होने के नाते उन्हें आसानी से ड्रॉप नहीं किया जाना चाहिए था, जिसे उन्होंने बाद में जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज जिताकर साबित भी कर दिया। उसने इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया तो आपने उसे टीम से बाहर कर दिया। सूर्यवंशी आर्चर के खिलाफ खेल रहा था। सूर्यवंशी का भारत के लिए डेब्यू का सफर मुश्किल था। इसे आसान बनाया जा सकता था। कैफ ने कहा, वैभव के लिए हालात मुश्किल बना दिए गए थे। वह एक खास टैलेंट है। आपको उसे टीम से बाहर नहीं करना चाहिए था। आपको उसे आयरलैंड में खिलाना चाहिए था। अब देखिए, जिम्बाब्वे के खिलाफ उसने प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता।

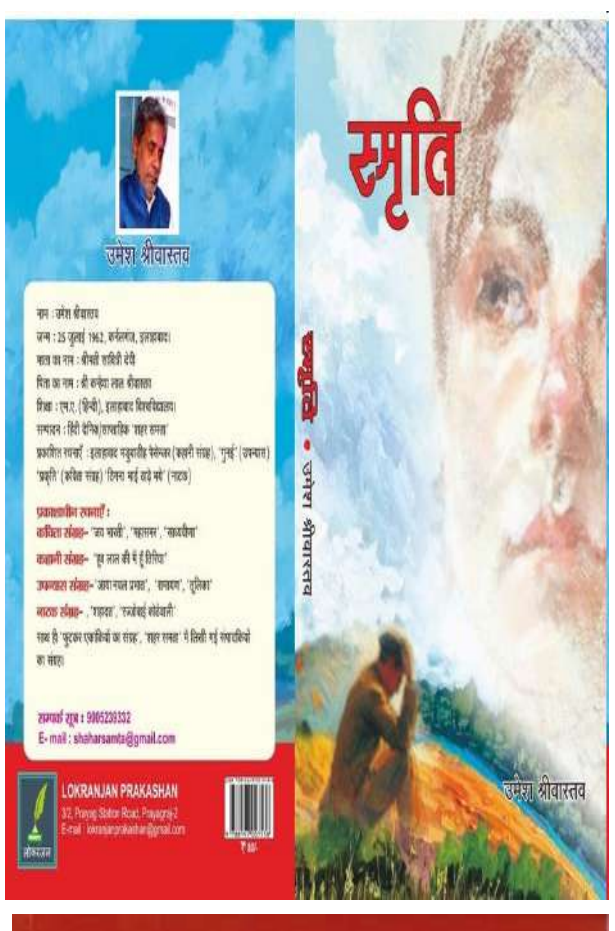

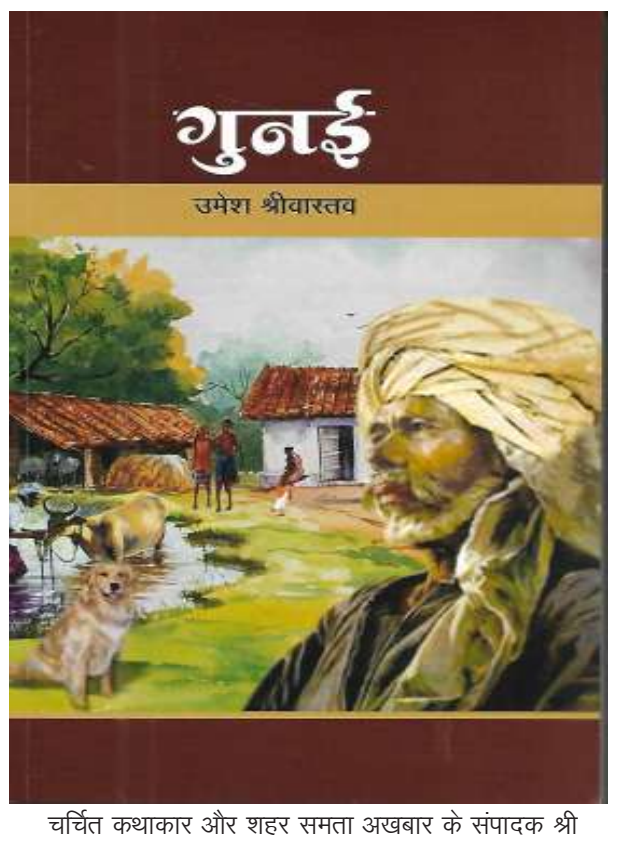

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

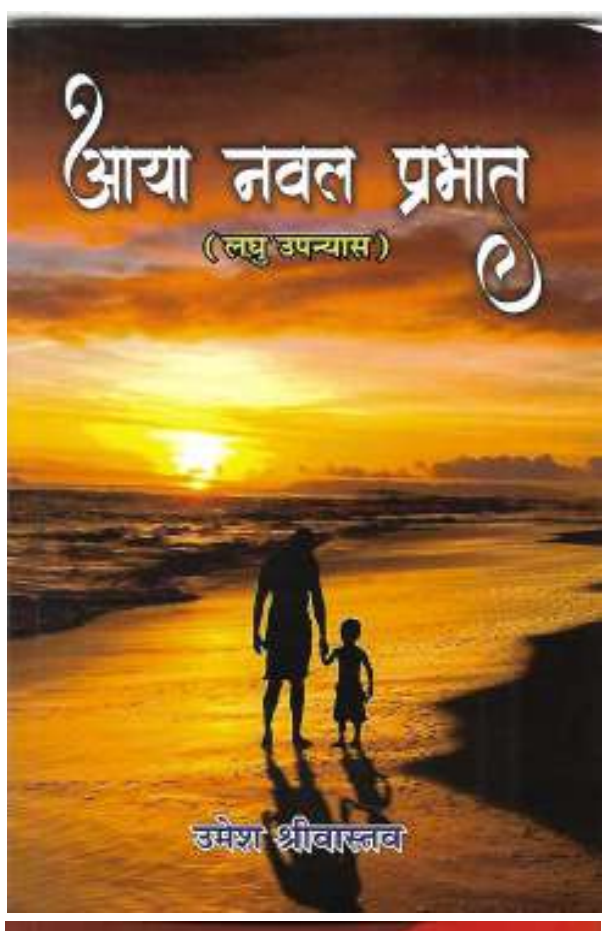

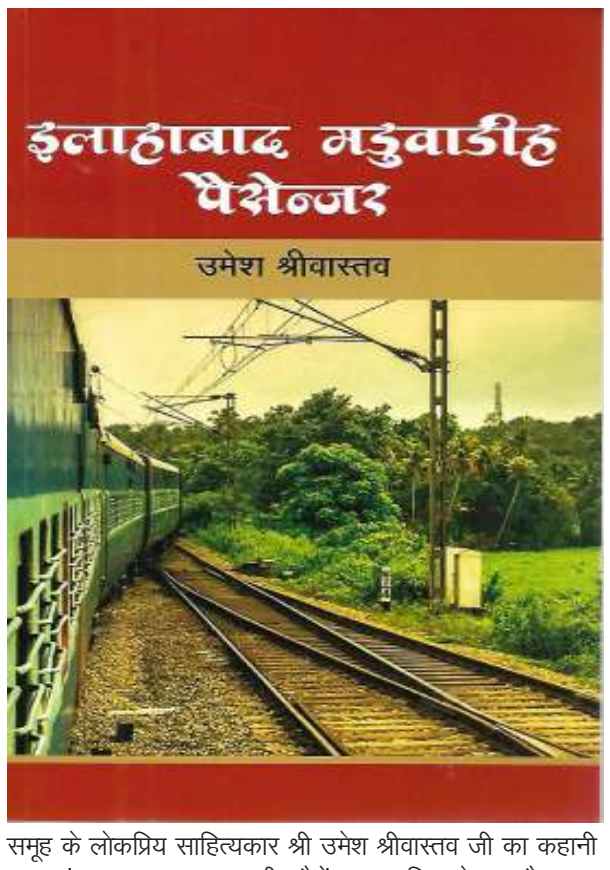

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

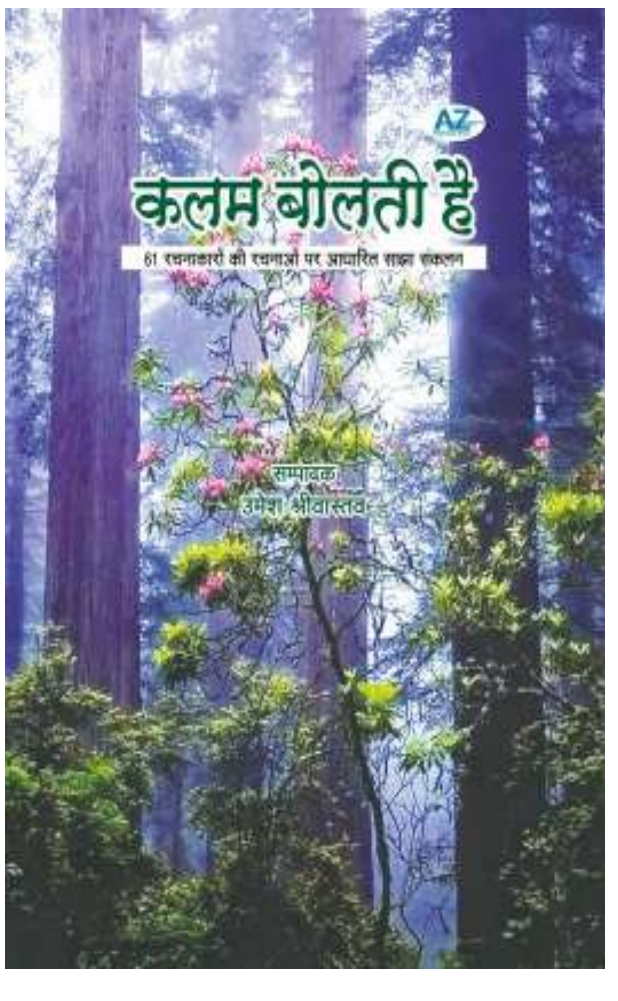

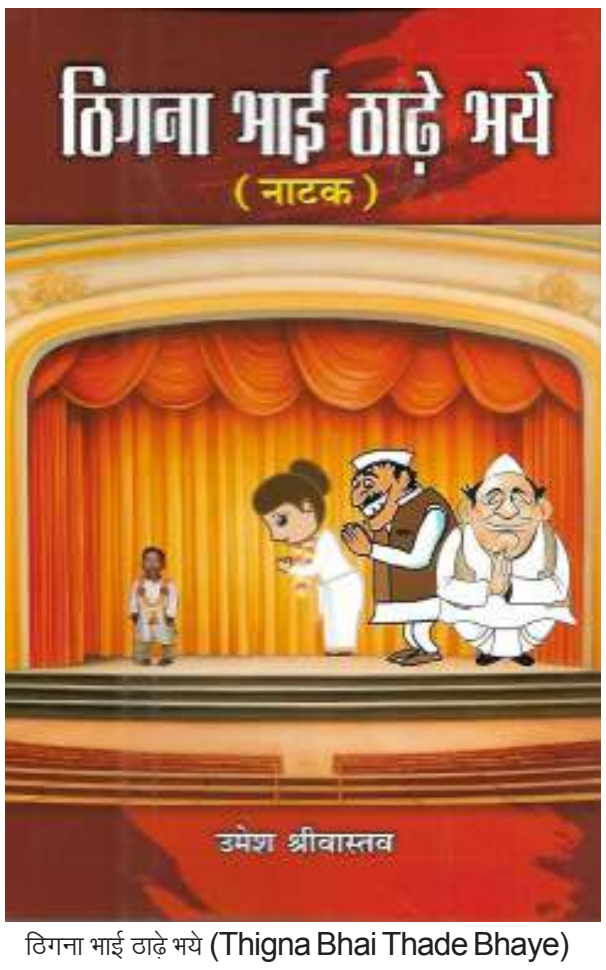

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

गणभवन में खुला जुलाई विद्रोह संग्रहालय, तारिक रहमान ने किया उद्घाटन, क्यों है खास?

ढाका,एजेंसी। प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने बुधवार को जुलाई मास अपराइजिंग मेमोरियल संग्रहालय का उद्घाटन किया। यह संग्रहालय 2024 के जुलाई मास अपराइजिंग (जन–विद्रोह) के इतिहास को संजोने और इसमें शहीद हुए लोगों व लड़ने वालों के बलिदान को याद करने के लिए बनाया गया है। प्रधानमंत्री ने राजधानी के शेर–ए–बांग्ला नगर में स्थित गणभवन, जो पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का पूर्व आधिकारिक आवास था। इसको औपचारिक रूप से संग्रहालय में बदल दिया गया है। इसके साथ ही इसे आगंतुकों के लिए खोल दिया। उद्घाटन के बाद, तारिक रहमान ने संग्रहालय की गैलरियों और प्रदर्शनियों का दौरा किया, जिनमें जुलाई के जन–विद्रोह से जुड़ी सुरक्षित रखी गई कलाकृतियां, तस्वीरें, आधिकारिक दस्तावेज, वीडियो फुटेज और यादगार चीजें शामिल थीं। उद्घाटन समारोह में एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई, जिसमें जुलाई के जन–विद्रोह का घटनाक्रम, जीवन के हर क्षेत्र के लोगों की भागीदारी और बलिदान और आंदोलन की सफलता तक ले जाने वाली घटनाओं को दिखाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री की बेटी बैरिस्टर जाइमा रहमान उनके साथ थीं। पट्टिका का अनावरण करने के बाद, सूरह अल–फातिहा का पढ़ गया फिर मुनाजात (प्रार्थना) की गई। इस मौके पर अंतरिम सरकार के पूर्व मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस, मुक्ति संग्राम मामलों के मंत्री अहमद आजम खान, गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद, सांस्कृतिक मामलों के मंत्री निताई रॉय चौधरी और सूचना एवं सांस्कृतिक मामलों पर प्रधानमंत्री के सलाहकार डॉ. जाहिद उर रहमान समेत कई अन्य लोग मौजूद थे। गणभवन में बनाया गया यह संग्रहालय जुलाई के जन–विद्रोह के असली इतिहास को सुरक्षित रखने, देश के प्रतिरोध को दर्ज करने, उस विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने और शहीदों व जुलाई के आंदोलनकारियों के बलिदान का सम्मान करने के मकसद से बनाया गया है। 5 अगस्त 2024 को, छात्रों के नेतृत्व में हुए जन–विद्रोह के बीच शेख हसीना अपना देश छोड़कर चली आई। वहीं, हजारों प्रदर्शनकारी गणभवन परिसर में घुस गए। तीन दिन बाद, 8 अगस्त को प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने कामकाज संभाला और बाद में इस जगह को सुरक्षित रखने और संग्रहालय बनाने की प्रक्रिया शुरू की। इस संग्रहालय में जुलाई के जन–विद्रोह से जुड़ी तस्वीरें, सरकारी दस्तावेज, वीडियो फुटेज, निजी सामान, चश्मदीदों के बयान और दूसरी चीजें दिखाई गई हैं।

दुबई में अब कार शोरूम में ब्लास्ट, केरल के एक युवक की गई जान

दुबई,एजेंसी। दुबई में एक कार शोरूम में गैस सिलेंडर विस्फोट में केरल के एक भारतीय प्रवासी की मौत हो गई। यह जानकारी एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार है। गल्फ न्यूज अखबार के अनुसार, केरल के कोल्लम जिले के रहने वाले 27 वर्षीय शिजिन पॉल की सोमवार को शेख जायद रोड स्थित एक कार शोरूम में हुए विस्फोट में मौत हो गई। यह घटना खाड़ी देशों में भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच हुई है, जहां भारतीय सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 2023 और 2025 के बीच कार्यस्थल दुर्घटनाओं में लगभग हर हफ्ते तीन भारतीयों की मौत हुई। दुबई मीडिया कार्यालय के अनुसार, सोमवार को हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को पॉल की मौत की पुष्टि की। इसके साथ ही कहा कि वह उनके पार्थिव शरीर को स्वदेश वापस लाने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए उनके परिवार और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पॉल उस कार शोरूम में सोशल मीडिया मैनेजर के रूप में काम करता था जहां विस्फोट हुआ था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

यूएस में भारत की बेटी का कमाल: जान्हवी गुप्ता ने प्रोडक्शन डिजाइन से बनाई अलग पहचान, हॉलीवुड में हो रही तारीफ

लॉस एंजिलिस,एजेंसी। लॉस एंजिलिस में रहने वाली भारतीय मूल की जान्हवी गुप्ता केवल फिल्म फेस्टिवल्स में ही नहीं, बल्कि अमेरिकी फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी पहचान बना रही हैं। उनकी फिल्में लगातार पुरस्कार जीत रही हैं और अमेरिका के निर्माता व निर्देशक उनके काम की जमकर तारीफ कर रहे हैं। फिल्म निर्माता नेनन न्वोके जान्हवी गुप्ता की तारीफ करते हुए कहते हैं, वह अपने साथ काम करने वालों से कहीं आगे के स्तर पर काम करती हैं। उनमें असाधारण प्रतिभा वाले कलाकार की पहचान दिखाई देती है। नेनन न्वोके वुमेन ऑन द अदर साइट, फॉर ऑल मैनकाइंड, त चूजन और स्वात जैसी फिल्मों से जुड़े रहे हैं। जान्हवी गुप्ता (24 वर्षीय) ने अमेरिकन फिल्म इंस्टीट्यूट (एएफआई) से पढ़ाई की है। उनकी मेहनत, लगन और भारतीय जड़ों से मिली रचनात्मक सोच को फिल्म इंडस्ट्री में खास पहचान मिल रही है। निर्देशक फियिन गैंबो ने जान्हवी की मेहनत को याद करते हुए कहा, मैंने आपको रात 2 बजे तक वॉलपेपर लगाते हुए देखा है। मैंने आपको खाली कमरों को पूरी दुनिया में बदलते देखा है। अगर आप अगली कड़ी बना रहे हैं तो रिडली को जरूर आपको बुलाना चाहिए। धन्यवाद जान्हवी। यह बात उन्होंने एप्पल विजन प्रो के लिए बनाई जा रही अगली पीढ़ी की वर्चुअल रियलिटी (वीआर) फिल्म की शूटिंग पूरी होने के दौरान कही। जान्हवी गुप्ता की प्रतिभा को सबसे पहले अमेरिकन फिल्म इंस्टीट्यूट की वरिष्ठ फैकल्टी और मशहूर सेट डिजाइनर सुजैन फेलर ओटो ने पहचाना। सुजैन ने कहा, 23 साल तक तीन अलग–अलग विश्वविद्यालयों में ग्रेजुएट सेट डिजाइन और आर्ट डायरेक्शन पढ़ाने के बाद, बहुत कम ऐसे छात्र मिले हैं जो जान्हवी की तरह पढ़ाई में प्रतिभाशाली, जिज्ञासु और सोच में इतने संतुलित हों। उनकी प्राकृतिक कलात्मक प्रतिभा उच्च स्तर की है। जान्हवी बचपन से फिल्मों की दीवानी नहीं थीं। वह किरदारों और उनकी दुनिया को कागज पर उतारती थीं। वह चित्र बनातीं, उन्हें कहानियों से जोड़तीं और छोटे–छोटे कागजी संसार तैयार करती थीं। स्कूल के आखिरी साल में जब उन्होंने कुछ फिल्में और शो देखे, जिनमें छोटे शहर के घरों, कमरों और वहां रहने वाले किरदारों की दुनिया दिखाई गई थी, तब उन्हें महसूस हुआ कि उन्हें कहानी से ज्यादा उन जगहों ने आकर्षित किया। जान्हवी कहती हैं, मुझे इन जगहों में सुकून मिलता है। मैं कहानी को महसूस करती हूं और खुद को उसमें कल्पना करने लगती हूं। यही सोच आगे चलकर उनके करियर की पहचान बनी। आज वह लॉस एंजिलिस में रहने वाली प्रोडक्शन डिजाइनर हैं और अमेरिकन फिल्म इंस्टीट्यूट कंजर्वेटरी से मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स (एमएफए) कर चुकी हैं। उनके लिए सेट डिजाइन सिर्फ पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि किरदारों की सोच और भावनाओं को दिखाने का तरीका है। जान्हवी का फिल्म इंडस्ट्री तक पहुंचने का सफर धीरे–धीरे आगे बढ़ा। बचपन में उन्होंने पिता की कविताओं और अपने डांस प्रेम को मिलाकर पहली शॉर्ट फिल्म बनाई थी। कॉलेज में वर्ल्ड सिनेमा के एक कोर्स ने उन्हें फिल्मों की अलग–अलग शैलियों और तकनीकों से परिचित कराया। लेकिन एक प्रोडक्शन डिजाइन असाइनमेंट ने उनकी दिशा बदल दी, जिसमें उन्हें एक खाली कमरे को सेट में बदलना था। वह कहती हैं, मुझे लगा जैसे कुछ अपनी जगह पर आ गया हो। इसके बाद उन्होंने एक विज्ञापन फिल्म में प्रोडक्शन डिजाइनर की मदद करने का काम हासिल किया। शुरुआत में उन्हें अकाउंटिंग के लिए रखा गया था, लेकिन धीरे–धीरे उन्हें मूडबोर्ड तैयार करने, सामान जुटाने, सेट सजाने और लोकेशन देखने जैसे काम मिलने लगे।

अमेरिकन फिल्म इंस्टीट्यूट में दाखिले के लिए जान्हवी को ड्राफ्टिंग यानी डिजाइन का तकनीकी कौशल सीखना था। जब उन्हें यह नहीं आता था, तो उन्होंने अपनी यूनिवर्सिटी के आर्किटेक्चर विभाग के प्रमुख से मदद मांगी। उन्होंने बिना किसी शुल्क के उन्हें यह कौशल सिखाया और अपने पुराने डिजाइन उपकरण भी दिए। दो महीने बाद जान्हवी ने हाथ से बनाए डिजाइन और मॉडल तैयार कर लिए और लॉस एंजिलिस जाने के लिए तैयार हो गईं। एएफआई में वह अपनी कक्षा की सबसे कम उम्र की छात्राओं में थीं। वहां उन्होंने अनुभवी कलाकारों के साथ काम करते हुए डिजाइन की अपनी समझ को और मजबूत किया। उन्होंने वीआर फिल्मों, एलईडी तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्री–प्रोडक्शन और कई तरह के प्रोजेक्ट्स पर काम किया। इनमें शॉर्ट फिल्म, म्यूजिक वीडियो, फीचर फिल्म, वेब सीरीज, स्केच शो और वर्टिकल ड्रामा शामिल हैं। वीआर फिल्मों के बारे में वह कहती हैं, वीआर में आपको थिएटर की तरह सोचना पड़ता है। आप आखिरी पंक्ति में बैठे दर्शक तक अपनी दुनिया पहुंचा रहे होते हैं।

कौन हैं हूती, जिन पर लाल सागर में भारतीय जहाज को निशाना बनाने का शक, पश्चिम एशिया में कितने ताकतवर?

पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध भले ही थोड़ा धीमा पड़ा है, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर से आने वाले जहाजों की आवाजाही अब भी बुरी तरह प्रभावित है। इस बीच मंगलवार को लाल सागर में एक भारतीय झंडे वाले वाणिज्यिक पोत पर हमला हुआ था। पहले तो यह साफ नहीं हुआ कि युद्ध क्षेत्र से दूर इस अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में भारत के जहाज पर किसने हमला किया। हालांकि, यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्य सरकार ने आरोप लगाया है कि इस हमले के लिए शूहूतीश विद्रोही संगठन जिम्मेदार हैं। गौरतलब है कि लाल सागर में हुए इस हमले के बाद कार्गो जहाज एमएसवी फैज–ए–नूर ऑलिया यमन के जलक्षेत्र के पास डूब गया था। इसमें सवार 14 क्रू सदस्यों में से 13 भारतीय और एक यमन का नागरिक था, जिन्हें सुरक्षित बचा लिया गया। यमन की सरकार ने इस घटना को लेकर हूतियों पर निशाना साधा और नौसेना और कोस्ट गार्ड की मदद से पीड़ितों के लिए राहत–बचाव कार्य चलाया। हूती यमन में मौजूद एक सशस्त्र समूह है। संगठन का नाम इसके संस्थापक हुसैन बदरेद्दीन अल–हूती के नाम पर रखा गया है। दरअसल, 1990 के दशक में उत्तर यमन में हूती परिवार ने शिया इस्लाम के जायदी संप्रदाय के लिए एक मजहबी पुनरुद्धार आंदोलन की स्थापना की थी। यह वही हूती परिवार था जिसने कभी यमन पर शासन किया था। जैसे–जैसे सरकार के साथ टकराव बढ़ता गया, उन्होंने यमन की राष्ट्रीय सेना के साथ कई गुरिल्ला युद्ध लड़े। इसके अलावा हूतियों का सुन्नी शक्ति का केंद्र माने जाने वाले सऊदी अरब के साथ एक सीमा संघर्ष भी हुआ। आज हूतियों के पास अनुमानित 20,000 लड़ाके हैं। इसकी अधिकांश मौजूदगी यमन में पश्चिम में है। वहीं इसका प्रभाव यमन के लाल सागर तट तक है।

यमन में 2014 के अंत में युद्ध शुरू हुआ, उसके बाद राजधानी सना पर हूतियों ने कब्जा कर लिया। हूतियों ने उत्तर के अधिकांश भाग और अन्य बड़ी आबादी वाले जगहों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया। उधर देश में सत्ता चला रही सरकार ने खुद को अदन में स्थापित कर लिया। इस सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त थी। लाल सागर यूरोप को एशिया और पूर्वी अफ्रीका से जोड़ने वाला सबसे अहम जलमार्ग है। स्वेज नहर के दक्षिण में स्थित लाल सागर दुनिया के सबसे घने शिपिंग चौनलों में से एक है। लाल सागर यमन समुद्र के दक्षिण–पूर्वी तट पर स्थित है, जहां यह अदन की खाड़ी से मिलता है। अमेरिका–ईरान युद्ध के शुरू होने से काफी पहले से हूती विद्रोही लाल सागर में कारोबारी जहाजों को निशाना बना रहे हैं। इसकी पहली शुरुआत हुई 2023 में इस्राइल–हमास युद्ध के बाद, जब फलस्तीन के गाजा में इस्राइल की कार्रवाई के खिलाफ हूतियों ने लाल सागर पर मिसाइलों और ड्रोन से वाणिज्यिक पोतों को निशाना बनाया। इनमें से अधिकांश हमलों को अमेरिका और इस्राइली सेनाओं ने जवाबी कार्रवाई करके असफल कर दिया। हालांकि, कुछ हमले निशाने पर लगे और जहाजों और उनमें सवार क्रू को रेस्क्यू करना पड़ा। इसके बाद विद्रोहियों ने इस्राइली कारोबारी से जुड़े जहाज को जब्त कर लिया। इस दौरान इस संगठन ने हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया और चालक दल का अपहरण कर लिया। संगठन ने कहा कि इस्राइल या उसके सहयोगियों से जुड़े सभी जहाज सीधा लक्ष्य बनाए जाएंगे। इसके बाद जहाजों पर कई हमले हुए, जिनमें से अधिकांश में सफलता नहीं मिली। हालांकि, कई शिपिंग कंपनियों ने लाल सागर मार्ग को छोड़ दक्षिण अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप का रास्ता अपनाया जिससे जहाजों के यात्रा के समय और लागत दोनों में काफी वृद्धि हुई।

हूती खुद को उस समूह का एक अहम सदस्य मानते हैं, जिसे ईरान प्रतिरोध की धुरी कहता है। वे पश्चिम एशिया में ईरान समर्थित ताकतों के उस व्यापक नेटवर्क का हिस्सा हैं, जिसमें गाजा में हमास, लेबनान में हिजबुल्ला और इराक के सशस्त्र विद्रोही समूह शामिल हैं। इस यमनी उग्रवादी समूह को ईरान का खुला समर्थन हासिल है। द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, ईरान के समर्थन ने हूतियों को एक साधारण और खराब संगठित विद्रोही समूह से बदलकर क्षेत्र में एक शक्तिशाली सैन्य ताकत के रूप में स्थापित किया है।

भारत में एफसीआरए संशोधन पर अमेरिकी सांसद को क्यों लगी मिर्ची? बोले– संबंधों पर असर पड़ने की आशंका

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी रिपब्लिकन सांसद राइली मूर ने भारत में विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) में प्रस्तावित संशोधनों पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि प्रस्तावित प्रावधानों से सरकार को कुछ परिस्थितियों में विदेशी चंदा प्राप्त करने वाले धार्मिक संस्थानों की परिसंपत्तियों के प्रबंधन का अधिकार मिल सकता है, जिसे उन्होंने ईसाई संस्थाओं के लिए चिंताजनक बताया। अमेरिकी सांसद राइली मूर ने मंगलवार को भारत में गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ), ट्रस्ट, शैक्षणिक संस्थानों और धार्मिक संगठनों को मिलने वाले विदेशी चंदे से जुड़े कानून में प्रस्तावित संशोधनों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इस कदम का भारत–अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ सकता है। वेस्ट वर्जीनिया से रिपब्लिकन सांसद राइली मूर ने कहा कि विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) में प्रस्तावित संशोधन भारतीय सरकार को चर्चों और धार्मिक संस्थाओं का प्रबंधन अपने हाथ में लेने की अनुमति देंगे। उन्होंने इसे ईसाइयों पर स्पष्ट हमला बताया। मूर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान के कुछ दशक बाद ही संत थॉमस भारत के मालाबार तट पर पहुंचे थे और तभी से भारत में ईसाइयों का इतिहास रहा है। इसके बावजूद भारत की संसद विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन (एफसीआरए) नियमों में ऐसा बदलाव करने पर विचार कर रही है, जिससे सरकार चर्चों और धार्मिक संस्थाओं का प्रबंधन अपने हाथ में ले सके। उन्होंने कहा, यह ईसाइयों पर स्पष्ट हमला है।

कब खत्म होगा ईरान–यूएस टकराव, होर्मुज में शुल्क, शांति बहाली के समझौते पर कतर और अमेरिका क्या बोले?

वाशिंगटन/तेहरान,एजेंसी। होर्मुज जलडमरूमध्य से बनाए जाने वाले किसी भी अस्थायी जहाज मार्ग के लिए किसी सरकारी दस्तावेज (परमिट), मंजूरी या शुल्क की जरूरत नहीं होगी। इस रणनीतिक समुद्री मार्ग पर किसी एक पक्ष का नियंत्रण नहीं है। अल जजीरा की रिपोर्ट में एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से यह बात कही गई है। अधिकारी ने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य से किसी भी अस्थायी मार्ग में कोई बाधा, परमिट, मंजूरी या शुल्क नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कोई भी पक्ष समुद्री मार्गों को नियंत्रित नहीं करता है और न ही किसी जहाज को इस जलडमरूमध्य से गुजरने से रोक सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने मंगलवार को ईरान के साथ बातचीत में बड़ी प्रगति के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को खोलने को लेकर समझौता आज या कल हो सकता है। बेसेंट ने कहा कि यह घटनाक्रम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से पिछले हफ्ते ईरान को दी गई धमकियों के बाद आया है। उन्होंने ट्रंप की उस कार्रवाई को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के सबसे बड़े संभावित सैन्य अभियानों में से एक बताया। बेसेंट ने कहा, हमने पिछले हफ्ते राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान के खिलाफ द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के सबसे बड़े सैन्य अभियानों में से एक की धमकी देते देखा। इसी वजह से हम ईरान के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आज या कल होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने और इस संघर्ष में हालात को सामान्य करने की दिशा में समझौता हो सकता है। बेसेंट ने कहा कि ईरान की वायुसेना और नौसेना पूरी तरह खत्म हो चुकी हैं और उसकी मिसाइलों के बड़े हिस्से को भी नष्ट कर दिया गया है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब इस अहम समुद्री मार्ग को लेकर तनाव फिर बढ़ गया है। ईरान के वरिष्ठ अधिकारी मोहसिन रेजाई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने से जुड़े बयान को खारिज किया है। इससे पहले सोमवार (स्थानीय समय) को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामेनेई के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार मोहसिन रेजाई ने कहा था कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से किसी भी ऐसे मार्ग को मंजूरी नहीं देगा, जिसे तेहरान ने तय नहीं किया है। ईरान के सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी के अनुसार, रेजाई ने यह बयान दिया था। ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए रेजाई ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े पहले एक समझौते का अमेरिका ने उल्लंघन किया था। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने तय विवाद समाधान प्रक्रिया का पालन किए बिना हमले शुरू कर दिए। उन्होंने आगे कहा कि ईरान ने इसका सैन्य जवाब दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई अमेरिकी युद्धपोत उस मार्ग से होकर होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने की कोशिश करता है, जिसे ईरान ने मंजूरी नहीं दी है, तो उसे निशाना बनाया जाएगा। यह बयानबाजी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद शुरू हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि होर्मुज जलडमरूमध्य को शूपूरी तरहश फिर से खोलने के लिए बातचीत चल रही है। उन्होंने बताया था कि बातचीत के पहले चरण में इस अहम समुद्री मार्ग से जहाजों की बिना किसी रोक–टोक आवाजाही दोबारा शुरू करने पर ध्यान दिया जा रहा है। कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने भरोसा जताया था कि बातचीत में मंगलवार (स्थानीय समय) तक प्रगति हो सकती है। ट्रंप ने कहा था कि बातचीत के दूसरे चरण में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा होगी। उन्होंने दोहराया कि तेहरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता। ट्रंप ने मौजूदा कूटनीतिक बातचीत को ईरान के लिए श्आखिरी मौकाश भी बताया था। उन्होंने दावा किया कि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और ईरान के अनुरोध पर अमेरिका ने पहले से तय सैन्य हमले को रोक दिया था, ताकि बातचीत के जरिए समाधान निकाला जा सके।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।